हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 208, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 30 जनवरी, 2024 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

बच्चे के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड न बनाएं : मोदी

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बच्चों को दिया गुरुमंत्र

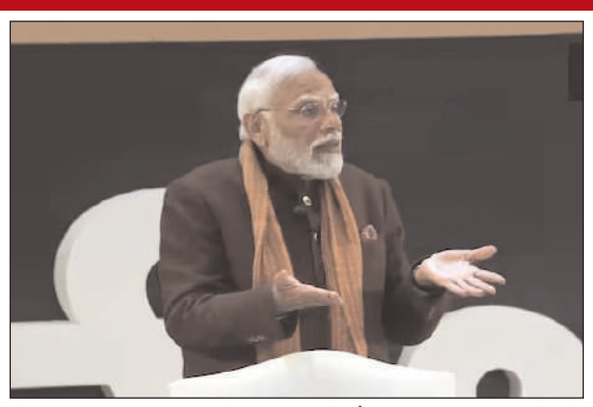

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने परीक्षा पे चर्चा के दौरान बच्चों को परीक्षा के तनाव से निकलने की सलाह दी साथ ही कई ऐसे टिप्स दिए। बच्चों के बीच परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में हैं। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बच्चों को कई गुरुमंत्र दिए और कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने माता पिता से भी अपील की कि बच्चों के परफॉर्मेंस और उसकी रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड न बनाएं। पीएम मोदी ने कहा कि प्रतिस्पर्धा स्वस्थ होनी चाहिए, दोस्तों के प्रति ईर्ष्या की भावना नहीं रखनी चाहिए। पीएम ने कहा कि दूसरों से नहीं, खुद से प्रतिस्पर्धा करें, जहां आप मजबूत हैं, वहां आप उसकी मदद करें और जिस विषय में वह मजबूत हो, उससे आप मदद लें। इससे दोनों मिलकर परीक्षा के तनाव को दूर कर सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं हर चुनौती को चुनौती देता हूं, चुनौती जाएगी। स्थितियां सुधर जाएगी, इसकी प्रतीक्षा करते हुए मैं सोया हुआ नहीं रहता हूं। हर चुनौती के लिए स्ट्रेटजी बनाता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि मोबाइल पर कितनी ही प्रिय चीजें क्यों न आ रही हो, लेकिन उसका एक समय निश्चित करना बहुत जरूरी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि टीचर्स को बच्चों से घुलना मिलना चाहिए। क्लास में सहज माहौल बनाना चाहिए, जिससे बच्चे आपमें रूचि लें। पीएम मोदी ने कहा कि हमें आदत डालनी चाहिए कि हम निर्णायक बनें। अनिर्णायकता बहुत खराब होती है। उससे बाहर आना चाहिए। पीएम मोदी ने बच्चों से कहा कि लिखने की प्रैक्टिस जरूर करें, जिनता लिखेंगे उतनी स्पीड आएगी और गलतियां समझ आएंगी। पीएम मोदी ने कहा कि शिक्षक का काम केवल नौकरी करना या नौकरी बदलना नहीं है, उसका काम जिंदगी को संवारना और उसे सामर्थ्य देना है। ऐसे शिक्षक ही परिवर्तन लाते हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी ने शुरूआत में कहा कि छात्र पहले से कहीं अधिक नवोन्मेषी हो गए हैं, ये कार्यक्रम मेरे लिए भी एक परीक्षा की तरह है। पीएम ने माता पिता से कहा कि आपको किसी बच्चे की तुलना किसी दूसरे से नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह उसके भविष्य के लिए हानिकारक हो सकता है। पीएम ने कहा कि कुछ माता-पिता अपने बच्चे के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड मानते हैं, यह ठीक नहीं है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि प्रतिस्पर्धा और चुनौतियां जीवन में प्रेरणा का काम करती हैं, लेकिन प्रतिस्पर्धा स्वस्थ होनी चाहिए। इस कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सभी की ओर से पीएम नरेंद्र मोदी का हार्दिक स्वागत करता हूं। वे राष्ट्र शिल्पी है। 2047 तक आपके नेतृत्व में राष्ट्र विकसित बनेगा। परीक्षा में चर्चा आज जन आंदोलन बन गया है। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे भारत मंडपम, आईटीपीओ, नई दिल्ली में शुरू हो चुका है। यह कार्यक्रम टाउन हॉल प्रारूप में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष लगभग 4,000 प्रतिभागी पीएम मोदी के साथ बातचीत कर रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित, परीक्षा पे चर्चा एक वार्षिक कार्यक्रम है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी परीक्षाओं की शुरूआत में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से बातचीत करते हैं और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। यह आयोजन पीएम मोदी के नेतृत्व में एग्जाम वॉरियर्स नामक बड़े आंदोलन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य युवाओं के लिए तनाव मुक्त माहौल बनाना है।

सोमालिया के लुटेरों ने हाईजैक किया ईरानी जहाज, भारत ने युद्धपोत भेजकर छुड़ाया

नई दिल्ली। अरब सागर में एक बार फिर समुद्री लुटेरों ने एक जहाज को निशाना बनाया। भारतीय अधिकारियों के मुताबिक, कोच्चि से पश्चिम में करीब 700 नॉटिकल मील की दूरी पर ईरान के एक मछली पकड़ने वाले जहाज को सोमालियाई लुटेरों ने हाईजैक कर लिया। हालांकि, इस घटना के बाद भारतीय नौसेना ने अपने युद्धपोत को जहाज के रेस्क्यू में लगाया और इसे लुटेरों के कब्जे से छुड़ा लिया। अफसरों ने बताया कि ईरान के इस जहाज का नाम एमवी इमान है और इसमें 17 क्रू सदस्य सवार थे। भारतीय युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा ने इसमें सवार लोगों को बचाने का अभियान शुरू किया। देखते ही देखते युद्धपोत में मौजूद ध्रुव चॉपर्स ने ईरानी जहाज को घेर लिया और इसे चेतावनी जारी कीं। इसके बाद सोमालियाई लुटेरों को हथियार फेंकने और सोमालिया की तरफ जाने को कहा गया। इसके बाद नौसेना ने जहाज में सवार सभी लोगों को सुरक्षित निकाल लिया।

भू-माफिया व दबंगों को चिन्हित कर करें कार्रवाई : सीएम योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण उनकी सरकार की विशेष प्राथमिकता है, इसलिए पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित कराएं। सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान हरहाल में किया जाएगा। जनता दर्शन में कुछमहिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं। कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीन कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू माफिया के रूप में चिन्हित कर सख्ती की जाए। किसी भी गरीब की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करें जो नजीर बने। जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को सीएम योगी ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।

'नीतीश का मतलब बिहार नहीं', संजय राउत का तंज- उन्हें सर्कस में जाना चाहिए

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापसी से विपक्षी दलों के INDIA गठबंधन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस, नीतीश कुमार को विपक्षी दलों के गठबंधन का संयोजक नियुक्त करने के पक्ष में थी। संजय राउत ने कहा कि नीतीश कुमार ने जिस तरह से विपक्षी गठबंधन छोड़ा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। संजय राउत ने कहा 'अगर कोई सोचता है कि नीतीश कुमार के जाने से INDIA गठबंधन में दरार पैदा हो जाएगी तो यह सही नहीं है। वास्तव में ऐसे लोगों के जाने से संगठन और मजबूत होगा। संजय राउत ने कहा कि वहां राजद के तेजस्वी यादव विपक्षी गठबंधन को मजबूत बनाएंगे। नीतीश का मतलब बिहार नहीं है। संजय राउत ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या राज्य के लोगों को यह पसंद आएगा कि एक व्यक्ति एक ही कार्यकाल में कई बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले? शिवसेना (यूबीटी) नेता राउत ने कहा नीतीश, भाजपा का असली चेहरा नहीं जानते और वह (भाजपा) उन्हें खत्म करने जा रही है। राउत ने कहा यह बिहार की पहचान खत्म करने की भाजपा की चाल है। महाराष्ट्र में भी उन्होंने एकनाथ शिंदे के साथ प्रयोग किया, लेकिन शिंदे का मतलब महाराष्ट्र नहीं है या अजित पवार का मतलब महाराष्ट्र नहीं है। शिवसेना नेता ने बताया कि नीतीश के विपक्षी गठबंधन से निकलने में कांग्रेस की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस, नीतीश को गठबंधन का संयोजक नियुक्त करने के पक्ष में थी। कांग्रेस ने हमारे साथ चर्चा भी की थी, लेकिन साथ ही यह जानकारी भी आ रही थी कि नीतीश का भाजपा के साथ कोई गुप्त समझौता हो रहा है। राजनीति में हर कोई हर किसी के बारे में जानकारी रखता है।' संजय राउत ने कहा 'उन्हें (नीतीश) सर्कस में जाना चाहिए। सर्कस में अच्छे दिन आएंगे। उन्हें पलटू राम सर्कस बनाना चाहिए और भाजपा को उसका रिंगमास्टर बनना चाहिए।'

अयोध्या: रामलला के दरबार में सातवें दिन भी भीड़ उमड़ी, श्रद्धालुओं के लिए बनाई गई फास्ट ट्रैक लेन

अयोध्या। रामलला के दरबार में लगातार सातवें दिन भी भक्तों की भीड़ उमड़ी है। दर्शन पूजन के लिए भक्त सुबह से ही राम मंदिर में कतारबद्ध हैं। वहीं, भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशासन ने सोमवार से नई व्यवस्था लागू की है। प्रशासन की ओर से राम जन्मभूमि पथ पर फास्ट ट्रैक लेन बनाई गई है। जो श्रद्धालु बैग, जूता, चप्पल व मोबाइल छोड़कर खाली हाथ आएंगे, उन्हें इस लेन से राम मंदिर परिसर भेजा जाएगा। वे सीधे राम मंदिर के सिंह द्वार तक पहुंच सकेंगे। इस लेन पर फास्ट ट्रैक लेन का संकेतक भी लगा दिया गया है। अभी जो श्रद्धालु बैग आदि लेकर आ रहे हैं, उन्हें पहले तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र में सामान की जांच कराकर जमा करना होता है। फिर उन्हें तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र के बगल के रास्ते से राम जन्मभूमि परिसर भेजा जा रहा है। दूसरी तरफ सातवें दिन भी श्रद्धालु सुगमता पूर्वक रामलला के दरबार में हाजिरी लग रहे हैं। 11:00 बजे तक 30 हजार से अधिक भक्त बालक राम के दर्शन कर चुके हैं।

अजित पवार गुट के विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने की समय अवधि फिर बढ़ी, सुप्रीम कोर्ट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने एक आदेश में अजित पवार गुट के विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने की डेडलाइन बढ़ा दी है। आदेश के मुताबिक महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर अब 15 फरवरी तक विधायकों की अयोग्यता पर फैसला ले सकेंगे। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के सबमिशन पर यह आदेश दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता स्पीकर राहुल नार्वेकर की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए।

तुषार मेहता ने फैसले के लिए पीठ से और समय की मांग की। जिस पर पीठ ने फैसले के लिए समयसीमा 15 फरवरी तक बढ़ा दी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने स्पीकर को अयोग्यता पर फैसला लेने समयसीमा 31 जनवरी तक तय की थी। शरद पवार गुट के नेता जयंत पाटिल ने स्पीकर राहुल नार्वेकर के समक्ष याचिका दायर कर दल-बदल विरोधी कानून के तहत अजित पवार गुट के विधायकों को अयोग्य ठहराने की अपील की थी। अजित पवार के नेतृत्व में एनसीपी के कई विधायक बीती साल 2 जुलाई को एनडीए में शामिल हो गए थे। अजित पवार गुट ने चुनाव आयोग में याचिका दायर कर उन्हें असली एनसीपी मानने की मांग की गई है। साथ ही पार्टी के चुनाव चिन्ह घड़ी पर भी दावा जताया है। अजित पवार गुट ने स्पीकर के समक्ष भी याचिका दायर की है। अजित पवार गुट के मुख्य सचेतक अनिल पाटिल ने हलफनामा दायर कर आरोप लगाया है कि शरद पवार द्वारा पार्टी को प्रशासित किया जा रहा था, जो कि पार्टी संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन है। पाटिल ने कहा कि पार्टी के भीतर संगठन के चुनाव भी नहीं कराए गए और शरद पवार तानाशाही तरीके से पार्टी चला रहे हैं। पाटिल ने दावा किया कि साल बीते साल जून में अजित पवार को पार्टी का अध्यक्ष चुना गया था। इस संबंध में चुनाव आयोग को सूचित भी किया गया था।

केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर का सात दिनों के भीतर देश में सीएए लागू करने का दावा, लिखित में दी गारंटी

कोलकाता। केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने देश में अगले सात दिनों के भीतर नागरिक संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू करने का दावा किया है। उन्होंने दक्षिण 24 परगना के काकद्वीप में एक सार्वजनिक बैठक में भाषण के दौरान यह बात कही। शांतनु ठाकुर ने लिखित में इसकी गारंटी भी दी है। मीडिया से बात करते हुए शांतनु ठाकुर ने कहा, 'धार्मिक, सामाजिक और नीति पर विचार करने के बाद ही सीएए को लागू किया जाएगा। सीएए को अचानक लागू करने से देश में तनाव की स्थिति पैदा हो सकती थी। अब गृह मंत्रालय की तरफ से इस फैसले को लिया गया है। सात दिनों के भीतर देश में सीएए लागू किया जाएगा। इसकी गारंटी मैंने आपको दे दी है। राज्य में इसे लागू करने की आवश्यकता नहीं है। इसे लेकर हमें मुख्यमंत्री से बात करने की जरूरत नहीं है। यह केंद्र सरकार का मुद्दा है।' केंद्रीय मृह मंत्री अमित शाह ने पिछले साल दिसंबर में सीएए को 'देश का कनून' बताते हुए कहा था कि इसे लागू होने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने इसी के साथ बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सीएए को लेकर लोगों को गुमराह करने का आरोप भी लगाया था। इसका पलटवार करते हुए सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि वे लोगों को विभाजित करना चाहते हैं। वे किसी और को नागरिकता देना चाहते हैं और दूसरो को इससे वंचित रखना चाहते हैं। दिसंबर 2019 में संसद में सीएए पारित किया गया था। इसके तहत बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 तक भारत आए गैर मुस्लिमों (हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई) को नागरिकता दी जाने की बात कही गई थी।

राहुल गांधी ने बताया क्या है न्याय यात्रा का उद्देश्य, कांग्रेस का नीतीश पर हमला

नई दिल्ली। राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा पश्चिम बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर से निकलकर बिहार के किशनगंज पहुंच गई है। सुबह बंगाल से निकलते हुए राहुल गांधी बस में बैठकर लोगों का अभिवादन करते हुए रवाना हुए। इस दौरान उनके समर्थक बस के आगे-आगे चलते दिखे। शेड्यूल के तहत सोमवार को न्याय यात्रा उत्तरी दिनाजपुर से बस द्वारा बिहार के किशनगंज बॉर्डर पर पहुंचेगी। इसके बाद राहुल गांधी के नेतृत्व में यात्रा पैदल किशनगंज में दाखिल होगी और शहीद अशफाकउल्ला खान स्टेडियम पहुंचेगी। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे लंच ब्रेक होगा और दोपहर दो बजे यात्रा फिर से किशनगंज से बस द्वारा शुरू होगी। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा बिहार में दाखिल हो गई है। न्याय यात्रा सोमवार को बिहार के किशनगंज पहुंची, जहां कांग्रेस के नेताओं ने यात्रा का स्वागत किया। राहुल गांधी किशनगंज में एक रैली को भी संबोधित करेंगे। वहीं मंगलवार को पूर्णिया में एक विशाल रैली का भी आयोजन किया जाएगा। इस रैली में लालू प्रसाद यादव और वामपंथी नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। किशनगंज सीमांचल का इलाका है और यहां मुस्लिम जनसंख्या बहुमत में है। इन इलाकों में कांग्रेस का अच्छा खासा प्रभाव है। गुरुवार को यात्रा फिर से पश्चिम बंगाल में दाखिल होगी और फिर कुछ दिन बाद झारखंड होते हुए वापस बिहार आ जाएगी। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान बिहार के किशनगंज में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा 'मुझसे कई लोग पूछते हैं कि इस यात्रा का क्या उद्देश्य है। तो मैं उन्हें बताता हूं कि भाजपा-आरएसएस की विचारधारा नफरत की है। एक धर्म दूसरे धर्म से लड़ रहा है...यही वजह है कि हमने नफरत के बाजार में मुहब्बत की दुकान खोली है। इस यात्रा का देश की राजनीति पर बड़ा प्रभाव हुआ है। हमने एक नया विजन, नई विचारधारा दी है और यह है मुहब्बत।' जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने बताया कि झारखंड में 5 या 6 फरवरी को रैली आयोजित की जाएगी। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे इस रैली को लीड करेंगे। मंगलवार को भी बिहार में एक बड़ी रैली होगी, जिसमें महागठबंधन के सदस्य भी शामिल होंगे। नीतीश कुमार को लेकर जयराम रमेश ने कहा कि 'विपक्षी गठबंधन में नीतीश कुमार का व्यवहार विश्वास करने लायक नहीं था। उनके बाहर जाने से विपक्षी गठबंधन को फर्क नहीं पड़ेगा।'

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले बोले, अब इंडिया गठबंधन में सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही बचेगी

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने नीतीश कुमार के राजग में शामिल होने पर कहा कि वह विपक्षी गठबंधन इंडिया का सबसे प्रमुख चेहरा थे। उन्होंने गठबंधन छोड़ दिया। वह आते जाते रहते हैं पर इस बार उन्होंने राजग में शामिल होकर सही निर्णय लिया है। इंडिया में अब सिर्फ कांग्रेस ही बचेगी। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने भी पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने का एलान किया है। आम आदमी पार्टी ने भी पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अब इंडिया गठबंधन में अकेले कांग्रेस की ही बचेगी। 2024 के चुनाव में कांग्रेस की 30 सीटें ही जीत पाएगी। आठवले ने कहा कि मायावती को रिपब्लिकन पार्टी का आफ इंडिया का अध्यक्ष पद स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने यूपी में भाजपा गठबंधन के तहत दो लोकसभा सीटों की मांग की हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए वह भाजपा के शीर्ष नेताओं से बात करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता सुधीर कुलकर्णी ने संविधान निर्माण में बाबा साहेब के योगदान को कमतर बताया है, जो कि अनुचित है। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए।

संपादकीय

फिर नीतीश का यू टर्न

पिछले कुछ समय से बिहार में इंडिया गठबंधन की गांठें खुलने के कयास लग रहे थे। रविवार की सुबह नीतीश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे और शाम को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने ने उन कयासों को हकीकत बना दिया। बिहार में फिर आयाराम-गयाराम का मुहावरा चरितार्थ हुआ। नीतीश ने गठबंधन से अलग होने का भी ऐलान किया है। वर्ष 2022 में राजग गठबंधन से अलग हुए नीतीश फिर राजग के साथ मिलकर मुख्यमंत्री बने हैं। निस्संदेह, उनका एनडीए में जाना इंडिया गठबंधन के लिये एक बड़ा झटका है। वह भी तब जब लोकसभा चुनाव बेहद करीब हैं। बहरहाल, भाजपा ने दिल्ली में सत्ता की राह के लिये निर्णायक चार बड़े राज्यों में से उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र व बिहार में समीकरण अपने पक्ष में साध लिये हैं। बिहार के वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील मोदी का वह बयान भी सिरे चढ़ा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि राजनीति में दरवाजे कभी पूरी तरह बंद नहीं होते। बहरहाल, सुशासन बाबू कहे जाने वाले नीतीश कुमार की साख पर इसकी आंच जरूर आएगी। लेकिन एक बात तय है कि आज शुचिता व मूल्यों की राजनीति की जगह सिर्फ वोट के समीकरण जुटाने की राजनीति ने हथिया ली है। भाजपा अब यह प्रचार जोर-शोर से करेगी कि विपक्षी गठबंधन के सूत्रधार रहे नीतीश बाबू अब राजग का हिस्सा हैं। निस्संदेह भाजपा ने एक तीर से कई निशाने साधकर विपक्ष की धार को कुंद किया है। बहरहाल, एक बेहद सीमित प्रतिशत वाली जाति के नेता नीतीश ने राज्य में तीसरे नंबर की पार्टी होने के बावजूद अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी बरकरार रखी है। वहीं कहीं न कहीं मोदी की तीसरी जीत की राह भी आसान कर दी है। एक समय 2022 में राजग गठबंधन से अलग होने के बाद भाजपा के सूत्रधार अमित शाह ने कहा था कि नीतीश की राजग में वापसी नहीं होगी। लेकिन राजनीतिक समीकरणों ने उनकी वापसी सुनिश्चित कर दी। अब भाजपा को भी कहने का मौका मिल गया है कि जो विपक्षी एकता के सूत्रधार थे और जिनके नेतृत्व में पटना में इंडिया गठबंधन की पहली बैठक हुई थी, वो अब राजग का हिस्सा हैं। अब नीतीश के बयानों से ही इंडिया गठबंधन पर हमले बोले जाएंगे। बहरहाल, बार-बार पाला बदलकर सत्ता को साधने वाले नेता के रूप में नीतीश कुमार की यह पहचान फिर पुख्ता हुई है। इस तरह इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग करके बिहार में सोशल इंजीनियरिंग करने वाले नीतीश ने इंडिया गठबंधन के लोकसभा चुनाव में सशक्त विपक्ष के सपने को तोड़ा है। कभी जय प्रकाश नारायण के आंदोलन से उपजे नीतीश ने कालांतर अपने साथियों लालू प्रसाद यादव व जार्ज फर्नांडिस से किनारा करके सत्ता की राह तलाशी। अपनी पांच दशक की राजनीति में वे सुविधा के हिसाब से लगातर पाले बदलते रहे। वर्ष 1996 में भाजपा से गठबंधन किया। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में कई विभागों में केंद्रीय मंत्री भी रहे। फिर बिहार में लालू यादव का विकल्प बनकर उभरे। पिछले एक दशक में वे पांचवीं बार पाला बदल चुके हैं।

नाबाद के बहाने बाद की बातें

हिन्दी में क्रिकेट की शब्दावली का एक जाना-पहचाना शब्द है नाबाद। पारी के समाप्त होने तक अगर कोई खिलाड़ी मैदान में डटा रहता है तो उसे नॉट आउट यानी नाबाद कहते हैं। यह शब्द आया कहां से? नाबाद शब्द का जन्म मराठी की कोख से हुआ है मगर मूलतः यह यौगिक शब्द है और अरबी के बाद शब्द में हिन्दी फारसी का ना उपसर्ग लगने से बना। बाद शब्द का मूल अरबी रूप है बअद जिसके मायने हैं दूरस्थ, सुदूरवर्ती, फासले पर, अलग या पृथक आदि। परवर्ती विकास के दौरान इसका अर्थ विस्तार हुआ। गौरतलब है कि दूरस्थ या सुदूरवर्ती जैसा भाव सापेक्ष है अर्थात? एक बिन्दु विशेष से किसी स्थान या वस्तु की स्थिति बताने के लिए सुदूरवर्ती शब्द का प्रयोग होता है। अब देखिए कि किस तरह अर्थवत्ता विकसित होती है। बाद में पश्चातवर्ती भाव का विकास अंतराल से जुड़ा है। विस्तार के दो बिन्दुओं के बीच अंतराल होता है। जो दूरवर्ती है, उसका विलोम निकटवर्ती है। जाहिर है निकट के आगे कहीं दूर है। जर्मन भाषाशास्त्री एमएम ब्रॉमनन स्टडीज इन सेमिटिक फि लोलॉजी में बाद शब्द पर विस्तार से चर्चा करते हैं। मराठी में बाद का अर्थ स्थगित करना, निकालना, हटाना होता है। सामान्य तौर पर बाद में अब एक टर्म या पद का दर्जा पा चुका है जिसमें किसी काम को न करने, टालने या स्थगित करने का भाव ही अधिक है। बाद में देखेंगे या बाद में करेंगे, बाद में आना, बाद में चलेंगे में यही भाव है कि अभी कुछ होने की फिलहाल उम्मीद नहीं है। अभी की सूची से उसे निकाला जा चुका है। उसे आगे कभी होना है। इस आगे में जो विस्तार है वही बअद है। इसमें जो स्थगिति है वही बअद है। इसमें जो निकाले जाने का भाव है वही बअद है और इसका रूपान्तर बाद है। हिन्दी-उर्दू के बाद में पश्चातवर्ती भाव प्रमुखता से बना रहा जबकि मराठी में विस्तार, अंतराल, निकालना जैसे भाव प्रमुख रूप से विकसित हुए। इसीलिए मराठी में बाद के साथ ना उपसर्ग लगाने से बने नाबाद शब्द का अर्थ डटे रहना, अविजित रहना, बने रहना, कायम रहना आदि हुआ। क्रिकेट की शब्दावली में बड़ी सहजता से मराठी में ही सबसे पहले नॉट आउट के लिए नाबाद शब्द का इस्तेमाल शुरू हुआ जिसे हिन्दी में भी खुशी-खुशी और खिलाड़ी भाव से अपनाया गया।

दूसरों के दुख-दर्द दूर करने वाला होता है सुखी

सीताराम गुप्ता

दूसरों की भलाई करने वाला उसी प्रकार से सुखी होता है जैसे दूसरों के हाथों पर मेहंदी लगाने वाले की उंगलियां खुद भी मेहंदी के रंग में रंग जाती हैं। रंग ही नहीं जाती हैं अपितु सुवासित भी हो जाती हैं। जो इत्र बेचते हैं वे खुद उसकी सुगंध से महकते रहते हैं। जिस प्रकार से एक फूल बेचने वाले के कपड़ों और बदन से फूलों की सुगंध नहीं जा सकती उसी प्रकार से दूसरों की भलाई करने वाले व्यक्ति पर उसके द्वारा की गई भलाई का अच्छा प्रभाव भी उस पर अवश्य ही पड़ता है। ऐसे व्यक्ति का कभी अहित नहीं हो सकता।

प्रत्यक्ष रूप से ही नहीं परोक्ष रूप से भी इसका लाभ मिलता है। एक बुढ़िया बेहद कमजोर और बीमार थी। रहती भी अकेले ही थी। उसके कंधों में दर्द रहता था लेकिन वह खुद अपने हाथों से दवा लगाने में भी असमर्थ थी। कंधों पर दवा लगवाने के लिए लोगों से मिन्नतें करतीं। एक दिन बुढ़िया ने पास से गुजरने वाले युवक से कहा कि बेटा जरा मेरे कंधों पर ये दवा लगा दे। भगवान तेरा भला करेगा। युवक बोला अम्मा मेरे हाथों की उंगलियों में तो दर्द रहता है। मैं कैसे दवा लगाऊं? बुढ़िया ने कहा कि बेटा बस इस डिबिया में से थोड़ी-सी मरहम अपनी उंगलियों से निकालकर मेरे कंधों पर फैला दे। युवक ने अनिच्छा से डिबिया में से थोड़ी-सी मरहम लेकर अपने एक हाथ की उंगलियों से बुढ़िया के दोनों कंधों पर लगा दी। दवा लगते ही बुढ़िया की बेचैनी कम होने लगी। बुढ़िया युवक को आशीर्वाद देने लगी। बेटा, भगवान तेरी उंगलियों को भी जल्दी ठीक कर दे। युवक अविश्वास से हंस दिया लेकिन उसने महसूस किया कि उंगलियों का दर्द भी गायब होता जा रहा है।

वास्तव में बुढ़िया को मरहम लगाने के बाद युवक की उंगलियों पर कुछ मरहम लगी रह गई थी। उसने दूसरे हाथ की उंगलियों से उसे पोंछने की कोशिश की तो मरहम उसके दूसरे हाथ की उंगलियों पर भी लग गई। यह उस मरहम का ही कमाल था जिससे युवक के दोनों हाथों की उंगलियों का दर्द गायब-सा होता जा रहा था। अब तो युवक सुबह, दोपहर और शाम तीनों वक्त बूढ़ी अम्मा के कंधों पर मरहम लगाता और उसकी सेवा करता। कुछ ही दिनों में बुढ़िया पूरी तरह से ठीक हो गई और साथ ही युवक के दोनों हाथों की उंगलियां भी दर्दमुक्त होकर ठीक से काम करने लगीं। निस्संदेह जो दूसरों के जख्मों पर मरहम लगाता है उसके खुद के जख्म भरने में देर नहीं लगती।

दूसरों के जख्मों पर मरहम लगाना अब इस मुहावरे को भी देख लीजिए। जरूरी नहीं जख्मों पर कोई दवा या मरहम ही लगाई जाए क्योंकि ये जख्म भीतरी भी हो सकते हैं। मनुष्य की पीड़ा भौतिक ही नहीं मानसिक भी हो सकती है। दूसरों के जख्मों पर मरहम लगाने का अर्थ है किसी के दुखी मन को सांत्वना देकर उसकी मानसिक यंत्रणा अथवा पीड़ा को कम करना। आवश्यकता के अनुसार किसी को कोई आश्वासन देना। यदि कोई किसी को किसी भी प्रकार की पीड़ा से मुक्त करता है तो पीड़ित को बड़ी राहत मिलती है। वह पीड़ा को कम करने वाले या कष्ट को समाप्त करने वाले के प्रति कृतज्ञता से भर उठता है और आशीर्वाद या दुआएं देने लगता है। कृतज्ञता की अवस्था कृतज्ञ को ही नहीं मदद करने वाले को भी अच्छी लगती है। जब कोई उसके प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करता है। वह एकदम विनम्र होकर परमार्थ के भावों से भर उठता है। दुनिया के सभी लोग कष्टमुक्त हो जाएं, ऐसी मनोदशा व्यक्ति के लिए आरोग्य प्रदान करने वाली होती है। ऐसी भावावस्था में व्यक्ति के शरीर में स्थित अंतःस्रावी ग्रंथियों से लाभदायक हार्मोंस का उत्सर्जन प्रारंभ हो जाता है। जो उसे रोगों से बचाने तथा रोगग्रस्त होने पर शीघ्र रोगमुक्त करने में सहायक होते हैं।

किसी की मदद करने, कोई अच्छा काम करने अथवा निष्काम भाव से कोई समाजोपयोगी कार्य करने से समाज में व्यक्ति की प्रतिष्ठा बढ़ती है। जिससे व्यक्ति को असीम परितुष्टि की अनुभूति होती है। यही असीम परितुष्टि की अनुभूति व्यक्ति के शरीर में उपयोगी हार्मोन सेरोटोनिन अर्थात हैपी हार्मोन के स्तर को बढ़ा देती है जो उसके स्वास्थ्य और रोगमुक्ति के लिए बेहद उपयोगी होती है। ऐसी अवस्था व्यक्ति के दीर्घायु होने में भी सहायक होती है। दूसरों की मदद करके भी हम अपने लिए रोग-मुक्ति, अच्छा स्वास्थ्य और दीर्घायु सुनिश्चित कर लेते हैं, इसमें संदेह नहीं। गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं :झ जिनके मन में परहित जज्बा बना रहता है उनके लिए संसार की कोई भी वस्तु ऐसी नहीं है जो उन्हें न मिल सके। दूसरों के जख्मों पर मरहम लगाने वाला, सच्चे मन से लोगों की सेवा करने वाला आध्यात्मिक, अधिभौतिक व अधिदैविक तीनों प्रकार की व्याधियों से मुक्त होकर आनंदपूर्वक जीवन ही नहीं व्यतीत करता है। वह धर्म का भी सही अर्थों में पालन करता है।

रेलगाड़ियों की लेटलतीफी से सुविधाओं की खुली पोल मौसम को वजह बताकर जिम्मेदारी से बचना अनुचित

हाल के दिनों में ट्रेनों की लेटलतीफी, इसके परिचालन में अव्यवस्था और आए दिन होने वाले हादसों से फिर यही सवाल उठा है कि आधुनिकीकरण और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा मुहैया कराने के दावे के बरक्स भारतीय रेल कहां है। फिलहाल हालत यह है कि राजधानी दिल्ली से खुलने वाली ट्रेनें समय से नहीं खुल पा रही हैं और कई-कई घंटे देरी से चल रही हैं। राजधानी एक्सप्रेस जैसी गाड़ियां भी पंद्रह-सोलह या इससे भी ज्यादा देरी से अपने गंतव्य पर पहुंचीं। यह माना जा सकता है कि बीते कुछ दिनों से घना कोहरा छाए रहने की वजह से ट्रेनों का परिचालन बाधित हुआ है, लेकिन अगर इसके अलावा भी सभी स्तरों पर अव्यवस्था दिख रही हो, तब इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

ऐसी शिकायतों का स्पष्टीकरण प्राकृतिक कारण के रूप में नहीं दिया जा सकता कि यात्रियों के सामने खानपान की मुश्किल पैदा हो रही और ट्रेनों में साफ-सफाई अव्यवस्था का शिकार है। ऐसे में लंबी यात्रा कर रहे लोगों और उनके परिवारों और बच्चों के सामने कैसी समस्या पैदा हो रही होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। मौसम की वजह से उपजी मुश्किल एक पहलू जरूर है, लेकिन व्यवस्थागत रूप से प्रबंधन बेहतर हो, तो समस्या और असुविधा कम की जा सकती है। इस मामले में रेलवे में बहुस्तरीय कमी साफ देखी जा सकती है। कहने को बीते कुछ वर्षों में कोहरे के दौरान भी ट्रेनों के परिचालन को सामान्य बनाए रखने के लिए फाग सेफ डिवाइस यानी कोहरा-रोधी यंत्र के इस्तेमाल की बात कही गई, मगर आज भी अगर गाड़ियां अपने निर्धारित समय से पंद्रह-सोलह या बीस घंटे देरी से चल रही हैं तो इसकी क्या वजह है? क्या ये यंत्र वास्तव में उपयोगी नहीं हैं या फिर ट्रेनों में इसे लगाने और उचित इस्तेमाल को लेकर प्रबंधन के स्तर पर कोई कमी है? विडंबना यह है कि जब ट्रेनों के परिचालन से जुड़ी समस्या गहराने लगती है और इससे जुड़े सवाल तूल पकड़ने लगते हैं, तब सरकार या रेल महकमे की ओर से इसके हल के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल और अन्य उपाय करने की बात कही जाती है। मगर कुछ समय बाद फिर आने वाली ऐसी शिकायतें बताती हैं कि आश्वासनों पर अमल की हकीकत क्या है। पिछले कुछ सालों में पटरियों और डिब्बों की गुणवत्ता में सुधार से लेकर रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास के मामले में तेज आधुनिकीकरण करने का दावा किया गया है। ट्रेनों को हादसे से बचाने के लिए कवच प्रणाली के सफल परीक्षण की खबरें भी आईं। तेज रफ्तार और आधुनिक तकनीक के साथ अन्य सुविधाओं से लैस ट्रेनों के संचालन की शुरूआत लोगों के बीच उम्मीद जगाने के लिहाज से अच्छी बातें हैं। मगर पिछले कुछ समय के दौरान लगातार ट्रेनों के पटरियों से उतरने की घटनाएं जिस तरह आम हो गई हैं, कई बड़े हादसे सामने आए, वे बताते हैं कि केवल संसाधनों के स्तर पर कमी को दूर करने के दावे से सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाना संभव नहीं है। प्रबंधन के मामले में जब तक कोताही या लापरवाही बरती जाएगी, तब तक यात्रियों को बेहतरीन सुविधा मुहैया कराने की बातें बेमानी ही रहेंगी। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि ट्रेन यात्रा आज लगातार महंगी होती जा रही है और साधारण लोगों के लिए उसमें जगह सिमट रही है। त्योहारों के मौके पर रेलवे स्टेशनों पर जितनी बड़ी तादाद में लोग अपने गांव-घर जाने के लिए जमा होते हैं, उससे पता चलता है कि जरूरत के मुकाबले ट्रेन सुविधाओं की हालत क्या है।

हमारे दायित्वों के निर्वहन से समृद्ध होगा देश

नरेश कौशल

अनंत संभावना वाले देश भारत ने 75वां गणतंत्र दिवस उल्लास और उमंग से मनाया। निःसंदेह हमने पिछले दशकों में तरक्की के तमाम आयाम स्थापित किये हैं। भले ही हम गणतंत्र के कई लक्ष्य हासिल न कर पाये हों, लेकिन फिर भी हमारी तमाम उपलब्धियां गर्व करने लायक हैं। पाताल से आकाश तक उपलब्धियां गगनभेदी हैं। हमने चांद पर एक दुर्लभ अभियान को सफल बनाकर दुनिया को चौंकाया है। आदित्य मिशन सूरज से बात कर रहा है। अंतरिक्ष में हमारा उपग्रह आकाशगंगा के रहस्यों की गुत्थी सुलझाने में लगा है। बहुत कुछ मिला है तो बहुत कुछ बाकी है। लेकिन किसी गणतंत्र में गण पर तंत्र का हावी होना हमारी चिंता होनी चाहिए।

यह एक टकसाली सच है कि विगत में इस गणतंत्र को दुनिया का खूबसूरत जनतंत्र बनाने में हम चूके हैं। लेकिन हमारे लिये भी यह मंथन का समय है कि देश का गण कितना जागरूक रहा अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिये। हमने मौलिक अधिकार तो चाहे, लेकिन मौलिक कर्तव्यों की जिम्मेदारी कितने लोगों ने निभायी? विश्वास तो हमारे नीति-नियंताओं ने भी खोया है। जनता उनकी बातों पर विश्वास करने से बचती आई है। तभी तो नेता वायदों का भरोसा खोने के बाद मुफ्त की रेवड़ियों और गारंटियों की बात करने लगे हैं। उन्हें लगने लगा है कि ह्यवायदाह्न शब्द अपने अर्थ खो चुका है। लेकिन सवाल गण के लिये भी है कि मुफ्त की गारंटियों का फैशन क्यों जोर-शोर से चल रहा है। कभी दक्षिण भारत से महिला वोटरों को लुभाने के लिये साड़ी-मिक्सी देने, सस्ता गेहूं चावल देने की खबरें आती हैं। अब तो यह सारे देश का फैशन हो चला है। फ्री पानी और फ्री बिजली मतदाताओं के वोट देने न देने के निर्णय को तय करते हैं तो यह स्वस्थ गणतंत्र का लक्षण तो कतई नहीं है। हम देखें कि जिन राज्यों की सरकारों ने विकास के दूरगामी लक्ष्यों से हटकर तात्कालिक लाभ देने की नीतियां बनायी वे आज बीमारू राज्यों की लाइन में शामिल हैं। हम नहीं सोचते कि कुदरत के अलावा हमें जो कोई कुछ मुफ्त देता है, उसकी हमें बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। लालच देकर कमजोर नेता हम पर शासन करने लायक बन जाते हैं। वैसे भी फ्री का माल तो देश के ईमानदार करदाताओं के आयकर से जाता है, जिनकी तनख्वाह आयकर विभाग के सामने हरदम एक खुली किताब है। कारोबारी लोग तो आयकर से बचने के सौ रास्ते निकाल लेते हैं। सीए संस्कृति उन्हें आयकर से बचने के हजार तरीके सिखाती है। अगर देश में सब लोग ईमानदारी से अपनी आय पर कर देने लगें तो देश की गरीबी निश्चय ही दूर हो जाए। लेकिन सड़कों पर नयी कारों के सैलाब हैं, प्रापर्टी खरीद में बूम हैं और शेयर बाजार कुलांचे भर रहा है, लेकिन आयकर दाता उस अनुपात में नहीं बढ़ रहे हैं?

पिछले दिनों करोड़ों लोगों के गरीबी की रेखा से बाहर होने के दावे आये। सवाल यह है कि जब

करोड़ों लोगों को गरीबी के दलदल से बाहर निकाला गया है तो आज देश के अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज क्यों देना पड़ रह है। कोरोना काल में तो मुफ्त अनाज बांटना समझ में आता है। तब महामारी ने करोडों लोगों का रोजगार छीन लिया था। लोग दाने-दाने को मोहताज थे। करोड़ों लोग अपनी जमीन से उखड़े थे। सरकारें आत्मनिर्भर बनाने की योजनाएं लायें ताकि लोग रोजगार पा सकें, अपने काम-धंधे शुरू कर सकें और आर्थिक विकास में भी योगदान दे सकें। बेरोजगारी हमारे समय का बड़ा संकट है। युवा विदेश जाने की होड़ में लगे हैं। अब तो सरकारें युवाओं को विदेश भेजने के लिये खुद प्रोत्साहित करने लगी हैं। पंजाब में यह संकट बड़ा है। पर्याप्त योग्यता न होते हुए भी विदेश जाने की धुन सवार है। हमारे बच्चे दलालों की दलदल में फंसकर अपना पैसा भी गंवा रहे हैं। कौशल विकास में दक्ष लोगों का विदेश जाना समझ में आता है, लेकिन आधुनिक शिक्षा और तकनीकी ज्ञान के बिना विदेश में कहां से अच्छे रोजगार मिलेंगे। सारी दुनिया जानती है कि इस्राइल व हमास युद्ध के कारण वहां हर आदमी जान हथेली पर लेकर चल रहा है। रोज सैकड़ों लोगों के मरने की खबरें आ रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति देखिए कि ऐसे हालात में भयानक जोखिम उठाते हुए हमारे बच्चे इस्राइल आदि देशों में नौकरी करने के लिये जा रहे हैं। यह जानते हुए भी कि जीवन पर बड़ा संकट आ सकता है। इस्राइल में हमास, हिजबुल्ला व ईरान समर्थक हूती विद्रोही हर समय हमले कर रहे हैं। दुख होता है जब चतुर्थ श्रेणी के पद के लिये पीएचडी, एम.ए. और अन्य उच्च शिक्षित युवक आवेदन करते हैं। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में पचास हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती के लिये पचास लाख बेरोजगारों ने आवेदन किया। इस स्थिति से देश में बेरोजगारी के हालात का अंदाज लगाया जा सकता है।

हमारे देश के लिये आज सबसे बड़ी चुनौतियों में नशे का कहर है। पंजाब के अशांत काल में जिस नशे का सैलाब पंजाब के युवाओं को भटकाने के लिये पड़ोस से आया था, वह आज एक पीढ़ी को बर्बाद करने लगा है। अब यह नशा पंजाब की सीमाओं को पार कर हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली आदि राज्यों को अपने आगोश में ले रहा है। परिवार के परिवार नशे से तबाह हो रहे हैं। नशे की ओवरडोज से जवान लड़कों की मौत की खबरें मीडिया की सुर्खियां बनती रहती हैं। हमारी व्यवस्था की सड़ांध देखिये कि कई राज्यों के मंत्री से संतरी तक इस जहरीले कारोबार में लिप्त बताए जाते हैं। पुलिस विभाग की काली भेड़ें भी तस्करों की मदद करने पर लगी हैं। पिछले दिनों पंजाब में एक जेल से नशा तस्करों द्वारा करोड़ों के लेनदेन और चालीस हजार से ज्यादा फोन कॉल होना बता रहा है कि हमारा तंत्र कितना भ्रष्ट हो गया है। अपराधी जेल के भीतर अय्याशी कर रहे हैं। जेल के भीतर से फिरौती लेने की खबरें अक्सर आती हैं। आम आदमी की सुरक्षा की चिंता किसी को नहीं है।

पिछले दिनों देश राममय हुआ। निस्संदेह, राजनीतिक दलों की महत्वाकांक्षा और एजेंडे को अलग रख दें, तो राम मंदिर भारतीय अस्मिता का पर्याय रहा है। पांच सदियों की कसक को पूरा होते देख एक उत्साह का संचार होना लाजिमी था। लेकिन यह हमारे लिये धैर्य व संयम का समय है। इसे किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह भारतीय गणतंत्र की खूबसूरती ही है कि सदियों पुराने जन्मभूमि के विवाद को हमने न्यायालय के जरिये सुलझा लिया। सभी पक्षों ने न्यायालय के फैसले का सम्मान किया। वहां आज राम मंदिर आकार ले चुका है। मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। अब हमें आगे भविष्य की ओर देखना है। भारत बहुरंगी-बहुधर्मी संस्कृति का देश है। कोस-कोस पर भाषा व जीवनशैली बदलने वाला देश है भारत। हमें अपनी विविधता और गंगा-जमुनी संस्कृति के देश की अस्मिता की रक्षा करनी है। सहिष्णुता से ही हमारा गणतंत्र समृद्ध होगा।

अपना दल यस व्यापार मंच के प्रदेश अध्यक्ष पुष्कर चौधरी का सूर्या ग्रुप के एमडी डॉक्टर उदय ने किया सम्मान

पिता जी की गैरमौजूदगी में सूर्या कैम्पस पहुचे थे व्यापार मंच के प्रदेश अध्यक्ष पुष्कर चौधरी, पदम श्री सम्मान के लिए पुष्कर चौधरी के पिता आरसी चौधरी का हुआ है चयन

प्रखर संतकबीरनगर। सूफी संत कबीर की नगरी के धरा के लाल आरसी चौधरी का पदमश्री सम्मान के लिए चयन होने के बाद पूरे पूर्वांचल में खुशी की लहर है सम्मान की घोषणा होने बाद जहां लोगो के बधाईयां का तांता लगा हुआ है वही आज वही आज सूर्या ग्रुप के एमडी दर्जनों शैक्षणिक संस्थानों के मालिक डॉक्टर उदय प्रताप चतुवेर्दी के बुलावे पर पहुचे पदमश्री सम्मान के लिए चयनित आरसी चौधरी के पुत्र अपना दल यस के व्यापार मंच के प्रदेश अध्यक्ष पुष्कर चौधरी का जोरदार स्वागत सूर्या कैंपस में किया गया विद्यालय के एमडी डॉ उदय प्रताप चतुवेर्दी ने सभी स्टाफ के साथ प्रतिनिधि के रूप में पहुंचे पुष्कर चौधरी का जोरदार स्वागत किया। सूर्या ग्रुप से सम्मान पाकर व्यापार मंच के प्रदेश अध्यक्ष पुष्कर चौधरी ने कहा कि सूर्या ग्रुप एमडी डॉ उदय प्रताप चतुवेर्दी द्वारा हर बेहतर कार्य पर सम्मान किया जाता है इसी क्रम में आज उनका सम्मान किया गया है सम्मान पाकर पुष्कर चौधरी ने डॉक्टर उदय प्रताप चतुवेर्दी का आभार व्यक्त किया। आपको बता दे की पुष्कर चौधरी के पिता कृषि वैज्ञानिक है और काला नमक खेती के क्षेत्र में एक बेहतर मुकाम हासिल करते हुए शोध किया यही नहीं आरसी चौधरी अंतर्राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक जिन्होंने शोध करते हुए शुगर फ्री चावल को बढ़ावा देने का काम किया है।

बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 75वां गणतंत्र दिवस

तेजीबाजार (जौनपुर)। शुक्रवार को 75वां गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, क्षेत्र के सरकारी गैर सरकारी संस्थानों व मान्यताप्राप्त गैर मान्यताप्राप्त सहित अमान्य विद्यालयों में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ झंडा रोहण कर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, इसी कड़ी में दुर्गावती देवी शिक्षण संस्थान के प्रधानाध्यापक सतीश चंद्र ऊमर वैश्य, प्रा0 विद्यालय दिलशादपुर की प्रधानाध्यापिका संध्या सिंह, ने अपने स्टाफ के साथ झंडा रोहण किया वही प्रा0विद्यालय चौखड़ा, बहाउद्दीनपुर, मरगूपुर, जय हिंद इंटर कालेज तेजीबाजार सहित सभी शिक्षण संस्थानों में झंडा फहराया गया इसी कड़ी में थानाध्यक्ष उदयप्रताप सिंह ने थाना और पुलिस चौकी पर झंडा रोहण किया और सुभाष चौक पर स्थित सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति का रंग रोगन कराकर उन्हें माल्यार्पण कर झंडा रोहण कर मिष्ठान वितरण कराया। के0के0 डेंटल हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर प्रभात विक्रम सिंह, चौखड़ा ग्रामप्रधान विजय भारत यादव, यूनियन बैंक तेजीबाजार मैनेजर समीर तिवारी, प्रा0स्वा0केंद्र के चिकित्साधिकारी डॉ0 श्रीनिवास निगम ने अपने स्टाफ के साथ झंडा फहराया, प्राथमिक विद्यालय पर मुख्यअतिथि के तौर पर आयी (आई सी टी) राज्य पुरस्कार से सम्मानित प्रीति श्रीवास्तव ने झंडा रोहण के बाद सभी के साथ जन गन मन गाया वही इन्होने बच्चों को 26जनवरी का क्या महत्त्व है के बारे में बताया, प्रीति श्रीवास्तव ने अपने द्वारा लिखी श्रीराम प्रभु पर भोजपुरी गीत "राम जी अयिहै अवध में बधईयां बाजे जगत में" गीत गाकर सुनाया। लगभग महीनों बाद खुले विद्यालयों में कही कही बच्चो की संख्या बहुत ही कम देखने को मिली, इस दौरान प्रबंधक संदीप गुप्ता, संतोष सिंह, चंद्रकांत, सुषमा शर्मा, श्रद्धा सिंह, प्रशांत, विक्रम सिंह, स्वेता, बंदना, ओमप्रकाश, विनोद सेठ, मुकेश मिश्रा, पूर्व धनंजय तिवारी, अरविंद तिवारी अटरा सहित सभी लोग उपस्थित रहे।

युवाओं व किसानों को न्याय दिलवाने का हो रहा काम : देवेंद्र प्रताप सिंह

सकलडीहा। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन में मोटरसाइकिल जुलूस व ब्लॉक के प्रत्येक प्रमुख बाजारों में पदयात्रा किया गया। जननायक राहुल गांधी युवाओं, महिलाओं, किसानों व आम आदमी को न्याय दिलाने के लिए जो न्याय यात्रा मणिपुर से महाराष्ट्र तक

के लिए निकाली है, उसको समर्थन व सहयोग करने की अपील लोगों से की गई। प्रदेश महासचिव देवेंद्र प्रताप सिंह मुन्ना ने कहा कि राहुल गांधी की न्याय यात्रा जब जनपद चंदौली में आएगी उस दिन बड़ी संख्या में लोगों को सम्मिलित होकर न्याय की इस लड़ाई को और मजबूत करने की जरूरत है।यह यात्रा गरीब,किसानों, महिलाओं व आम जनमानस की आवाज उठाने के लिए किया जा रहा है।देश से महंगाई व भ्रष्टाचार हटाने के लिए पार्टी को मजबूत करने के लिए सभी को एकजुट होना होगा।वही उन्होंने तहसील सकलडीहा मुख्यालय से पार्टी का झंडा दिखा कर मोटरसाइकिल जुलूस को रवाना किया।न्याय यात्रा जुलूस प्रमुख बाजारों सकलडीहा, स्टेशन बाजार, नई बाजार, बर्थरा, माटीगांव होते हुए ताराजीवनपुर बाजार में जाकर समाप्त हुआ। इस मौके पर अरूण द्विवेदी, बाबागोंड़, गुलाब राम, संपूणानंद, मुकेश कुमार नंदन, अन्नु मिश्रा, बृजेश कुमार सिंह, सियाराम बिंद, मंगल सिंह, जगत नारायण सिंह, राजेश यादव गुड्डु सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसान करें वैज्ञानिक पद्धति से खेती : पुनीत सिंह

प्रखर जखनिया गाजीपुर । क्षेत्र के परसपुर बुढानपुर स्थित काली मां मंदिर पर फसल विचार गोष्ठी का आयोजन इंडोरामा इंडस्ट्रियल प्राइवेट लिमिटेड के मंडल प्रभारी बाराणसी के मंडल प्रभारी पुनित सिह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया । गोष्ठी में पुनीत सिंह ने किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर जोर देते हुए कहा कि फसल के बुवाई से लेकर कटाई तक संतुलित मात्रा में उर्वरक का प्रयोग , मिट्टी परीक्षण ,बीज उपचार, सूक्ष्म , व पोषक तत्वों की कमी की पूर्ति के लिए के लिए वैज्ञानिक विधि से प्रयोग करने की विधि की बिंदुवार जानकारी दी । साथ ही खरपतवार नियंत्रण, फसलों में लगने वाले रोग से बचाव कीट व कीड़ों से बचाव के लिए दवा के प्रयोग विधि की भी जानकारी दी ।बताया कि पोटाश उर्वरक का उपयोग करने से सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी जैसे जिंक सल्फेट , सल्फर ,कैल्शियम ,आयरन, मैग्नीशियम, बोरान

तिलका की कमी से अनाज खोखला हो रहे है.। पैदावार प्रभावित हो रही है । जिससे मनुष्य के शरीर में मिलने वाले पोषक तत्वों की भी कमी पाई जा रही है ।जिससे मानव को कैल्शियम ,मैग्नीशियम व आयरन की गोली खाना मजबूरी बनी है ।पोटाश की कमी के चलते 25% तक पैदावार उत्पादन हर वर्ष घटती चली जा रही है। नासमझी से लोग यूरिया का मानक से ज्यादा छिड़काव करने से भी फसल की पैदावार प्रभावित हो रही है ।जिससे बचाव व पैदावार बढ़ाने के लिए संतुलित मात्रा में उर्वरक व बीज का प्रयोग करने व फसलों के रखरखाव से संबंधित जानकारी दी। कहा किसान अब खेती को व्यवसायीकरण पद्धति से करें जिससे उनका लाभ हो। मौके पर कृषि विपणन अधिकारी किशोर सिंह, अनिल सिंह, अरविंद सिंह, सुभाष यादव ,प्रेम खरवार , सुबच्चन पांडे, विजय बहादुर राम ,आमोद पांडे, अखिलेश पांडे, सहित काफी संख्या में किसान रहे।

सपा का पीडीए पखवाड़ा के तहत जंगीपुर के वैदापुर में हुआ जनपंचायत कार्यक्रम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव के आह्वान पर और प्रदेश अध्यक्ष माननीय नरेश उत्तम पटेल जी के निर्देश पर दिनांक 26 जनवरी से शुरू पीडीए पखवाड़े के तहत जंगीपुर विधान सभा के वैदापुर ग्राम में जनपंचायत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जनपंचायत को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने कहा कि समाजवादियों ने हमेशा से सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी है और सामाजिक न्याय सदैव से समाजवादी आंदोलन का मूल मंत्र भी रहा है। सभी समाजवादी आंदोलन के नेताओ का निर्विवाद और आमसहमति से यह मानना रहा है कि जो समाज आर्थिक और सामाजिक रुप से पिछड़ा है उसे विशेष अवसर प्रदान कर समाज और विकास की मुख्य धारा में लाया जाए लेकिन भाजपा सरकार पिछड़ों -दलितों को आरक्षण के नाम मिले इस विशेष अवसर को समाप्त करने की साजिश रच रही है। उन्होंने पार्टी द्वारा आयोजित की जा रही पीडीए जनपंचायत के मकसद को बताते हुए कहा कि पीडीए एक ऐसा जनआंदोलन है जिसका मकसद है उसे केवल कुछ पूंजीपति घरानों की फिक्रमंद है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जातीय जनगणना का होना बहुत आवश्यक है।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सामाजिक और आर्थिक विषमता को मिटाने के लिए संविधान में जो आरक्षण की व्यवस्था की गयी उसे समाप्त करना चाहती है।इस सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाओं को लगातार कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान, नौजवान, महिलाऐं, व्यापारी, अधिवक्ता, शिक्षक सभी भाजपा सरकार की नीतियों से त्रस्त है।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी शोषित, पीड़ित, वंचित समाज को समाज को सम्मान और राजनीतिक भागीदारी देने के लिए संकल्पित है। इस जनपंचायत में मुख्य रूप से राजेन्द्र यादव, रविन्द्र प्रताप यादव, दारा यादव, उपेन्द्र यादव, मथुरा यादव आदि उपस्थित रहे।

समाज के पिछड़े,दलित,शोषित और वंचितों को उनके हक अधिकार के प्रति जागरूक करना और भाजपा सरकार की दलित और पिछड़ा विरोधी नीतियों से आगाह करना है। जंगीपुर विधायक डॉ विरेन्द्र यादव ने कहा कि आज की वर्तमान भाजपा हुकूमत को इस देश के गरीबों,शोषितों और वंचितों से कुछ भी लेना देना नही

30 व 31 जनवरी को होगा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य की अध्यक्षता में जनपद में दिनांक 30.01.2024 एवं 31.01.2024 प्रातः 09:00 बजे से आर0टी0आई0 मैदान गाजीपुर में सम्पन्न होने वाले मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजनान्तर्गत सामुहिक विवाह कार्यक्रम के आयोजन के सम्बन्ध में बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को सामुहिक विवाह कार्यक्रम को प्राथमिकता के आधार पर सम्पन्न कराये जाने का निर्देश दिया। उन्होने पूरे विधि विधान से सामुहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न कराये जाने हेतु निर्देश दिया कहा कि सारी समुचित व्यवस्थाए पहले से कर ली जाये। कार्यक्रम स्थल पर अतिथियो के स्वागत से लेकर उनके जल पान, मंच, मंडप,विवाह सामग्री, की व्यवस्थाए पहले से सुनिश्चित कर ली जाये। उन्होने समितियों के सदस्यो को निर्देशित किया है कि सौपे गये कार्यो एवं उत्तरदायित्वों का निर्वहन समय-समय पर करते रहेगे, इसमे किसी प्रकार की लापरवाही न होने पाय। उन्होने बताया कि जनपद में दिनांक 30 जनवरी 2024 एवं 31जनवरी 2024 दोनो तिथियो को मिलाकर लगभग 510 जोड़े वर-वधु मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह के परिणय सूत्र में बधेगे। यह कार्यक्रम आरटीआई मैदान नवीन स्टेडियम मे सम्पन्न कराया जायेगा। जिसमें जनपद के समस्त विकास खण्डो व नगर पालिकाओ/नगर पंचायतो से चिन्हित पात्र जोड़ो को इस योजना का लाभ दिया जायेगा। उन्होने बताया कि इस योजनान्तर्गत कुल 51000 हजार रू0 की धनराशि शासन स्तर से प्राप्त होती है जिसमें वधु के खाते मे रू0 35000 हजार की धनराशि ऑनलाईन प्रक्रिया से हस्तान्तरित किया जाता है तथा रू0 10 हजार विवाह संस्कार व 6 हजार रू0 विवाह कार्यक्रम आयोजन के लिए दिये जाने का प्रावधान है। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) एवं समस्त सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में दिनांक 30 जनवरी 2024 एवं 31 जनवरी 2024 को प्रातः 09:00 बजे से मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन आरटीआई मैदान नवीन स्टेडियम में समपन्न किया जायेगा।

प्रेमी की दर्दनाक आपबीती : दो लोगों ने कमरा बंद कर की हैवानियत... लहूलुहान हालत में पहुंचा घर, हालत देख सब सन्न

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। चौरी थाना क्षेत्र के बहुतरा खुर्द गांव में युवक ने अपने साथ ही बर्बरता का किस्सा सुनाया तो सुनने वालों के भी रोंगटे खड़े हो गए। लव अफेयर के एक मामले में प्रेमी को घर के अंदर बंधक बनाकर पहले उसकी जमकर पिटाई की गई, फिर उसका गुप्तांग काट दिया गया। मामले की जानकारी होते ही पुलिस आनन-फानन मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया एवं पीड़ित के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई। पीड़ित के अनुसार 26 जनवरी की दोपहर बाद गैरेज मालिक ने पीड़ित को अपने घर बुलाया। आरोप है कि गैरेज मालिक सूरज प्रजापति, सोनू प्रजापति कन्हैया प्रजापति ने अपने घर के एक कमरे में बंद कर उसकी जमकर लाठी-डंडे से पिटाई की फिर धारदार हथियार से उसके प्राइवेट पार्ट को काट दिया। उसकी आपबीती सुनकर सब सन्न रह गए। युवक के लहूलुहान होने के बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी तो उसको घायलावस्था में ही छोड़कर आरोपी फरार हो गए। वह किसी तरह से भागकर अपने गांव पहुंचा और परिजनों को आपबीती बताई। परिजन युवक को लेकर चौरी थाने पहुंचे। पीड़ित परिवार ने गैरेज संचालक समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया और पीड़ित को भदोही के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि औराई थाना क्षेत्र के भगवती दासपुर गांव निवासी रोहित प्रजापति (22) पुत्र झग्गड़, बहुतरा खुर्द गांव निवासी सूरज प्रजापति के ममहर बाजार स्थित मोटर ऑटो गैरेज में काम करता था। रोहित रात में भी गैरेज में ही रहता था। इसी बीच उसका गैरेज मालिक के परिवार की एक लड़की के साथ अफेयर चलने लगा।

आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, तीन गिरफ्तार- चौरी थाने के अध्यक्ष देवेंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि पीड़ित के तहरीर पर आरोपियों खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पुलिस ने मुख्य आरोपी को छोड़कर बाकी लोगों को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

रोडरोलर से टकराई कार, एक की मौत, तीन घायल

घोसिया। औराई कोतवाली के वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर शुक्रवार की सुबह कोठरा के पास रोडरोलर और कार की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई जबकि तीन घायल हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक प्रयागराज का रहने वाला था। प्रयागराज के अल्लापुर निवासी राजेंद्र जायसवाल अपने पत्नी संध्या व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ कार से होकर वाराणसी अपने रिश्तेदार के यहां गृह प्रवेश में गए थे। कोठरा गांव के सामने हाईवे की उत्तरी मुख्य लेने पर सड़क बनाने वाली रोलर डामर और गिट्टी मिलाने वाला मिक्सराल मशीन को टोचन करके ले जा रहा था। फ्लाईओवर के पश्चिमी छोर पर अभी 50 मीटर गया ही होगा की रोलर से मैक्सराल का टोचन टूट गया और पीछे तेजी से बैक होते हुए भागने लगा। राजेंद्र जायसवाल की कार उससे भिड़ गई। इसमें सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। आसपास लोगों और पुलिस प्रशासन के सहयोग से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औराई पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने राजेन्द्र जायसवाल (55) को मृत घोषित कर दिया। वही संध्या (53), बिंदु (49), इशिता (20) को गंभीर चोट के कारण ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया। खबर मिलने के बाद परिवार के अन्य सदस्य औराई पहुंच गए। सभी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। कोतवाली प्रभारी सच्चिदानंद पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिवार वालों की तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

वर्तिका और रोहित के नाम रही क्रॉस कंट्री रेस

भदोही। गणतंत्र दिवस के दिन जिला खेल कार्यालय की ओर से आयोजित महिला व पुरुष क्रॉस कंट्री रेस में वर्तिका पटेल और रोहित यादव विजेता बने। शुक्रवार को प्रातः 7.30 बजे उपजिलाधिकारी शिव प्रकाश यादव ने हरी झंडी दिखाकर रेस का शुभारंभ किया। उन्होंने ही विजेताओं को पुरस्कृत किया। उप क्रीड़ाधिकारी अभिज्ञान मालवीय ने बताया कि जिसमें बालकों में 52 तथा बालिकाओं में 24 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। बालकों में रोहित यादव प्रथम, गोविंद कुमार द्वितीय, सूरज बिंद तृतीय रहे। बालिकाओं में वर्तिका पटेल प्रथम, ममता पाल द्वितीय तथा रोशनी सरोज तृतीय रहे। अर्जुन, अजित बिंद, नीरज यादव तथा सुमन यादव, शिवानी बिंद व प्रीति बिंद प्रथम छह में रहे। इन्हें भी सम्मानित किया गया। बताया कि बालकों की दौड़ स्टेडियम से देवनाथपुर मार्केट से होकर वापस स्टेडियम तथा बालिकाओं में स्टेडियम से होकर केयर एंड फेयर स्कूल मोड़ से वापस स्टेडियम आकर समाप्त हुआ।

आरईएस के एक्सईएन पर गिरी गाज, मुख्यालय संबद्ध

ज्ञानपुर। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता अख्तर अली अंसारी को भदोही से हटाकर लखनऊ संबद्ध किया गया है। राज्यसभा सांसद जया बच्चन की निधि से सवा करोड़ के टेंडर की धांधली में वे विवादों में घिर गए थे। राज्यसभा सांसद जया बच्चन ने एक दशक पूर्व भदोही को अपना नोडल जिला बनाया था। उन्होंने कई गांव में सड़क, इंटरलॉकिंग आदि कार्यों को अपनी अपनी निधि से कराने की स्वीकृति दी थी। चार महीने पूर्व उनकी निधि से सवा करोड़ की इंटरलॉकिंग के लिए ग्रामीण अभियंत्रण विभाग ने निविदा जारी की। तकनीकी कमेटी की बैठक से पहले ही ठेकेदारों का चयन कर लिया गया। इसके खिलाफ सांसद रमेश चंद्र बिंद, भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग शिकायत की तो सीडीओ ने जांच कराई। आरोप सही पाए जाने पर टेंडर निरस्त कर दिया। बाद टेंडर को निरस्त कर दुबारा निविदा जारी की गई। टेंडर धांधली से लेकर दो जीएसटी नंबरो से ठेकेदारों को भुगतान, चंदौली में अतिरिक्त कार्यभार देखने के दौरान की गई गड़बड़ी संग समकक्ष अधिकारी के खिलाफ आरोपपत्र भेजने का मामला भी प्रकाश में आया था। संयुक्त सचिव आनंद प्रकाश सिंह ने 25 जनवरी को अधिशासी अभियंता अख्तर अली अंसारी को मुख्यालय संबद्ध कर दिया। अधीक्षण अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण हरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि एक्सईएन को मुख्यालय संबद्ध किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

बेहतर अवशेष प्रबंधन से होगा जैविक खेती का विकास

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सतत खेती और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन और एचडीएफसी बैंक के सहयोग से सोमवार को पिंडरा ब्लाक के 15 गांव के किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र कल्लीपुर का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण के क्रम में किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक टीम द्वारा बेहतर फसल अवशेष प्रबंधन वेस्ट डीकंपोजर का उपयोग, वर्मी कंपोस्ट का उपयोग तथा समेकित कृषि प्रणाली पर जानकारी दी गई इसके साथ ही किसानों को आजीविका के साधन बढ़ाने के कृषि के उपायों को विस्तार पूर्वक बताया गया । इस दौरान किसानों को सतत खेती के बारे में तथा जैविक खेती के महत्व पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया। शैक्षणिक भ्रमण के अंतिम क्रम में किसानों को पापड़, चिप्स ,मुरब्बा, अचार, टमाटर व सास आदि बनाने के केंद्र पर भी भ्रमण कराया गया। शैक्षणिक भ्रमण में मुख्य रूप से डॉक्टर प्रतिभा सिंह, अंबुजा सीमेंट के सुनील कुमार तथा किसान उपस्थित रहे।

वार्ड नंबर 65 बूथ संख्या 363 पर 109वां एपिसोड मोदी की मन की बात सुना गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। आजप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रेडियो प्रोग्राम मन की बात के 109वां एपिसोड पर देश को संबोधित किया।नरेंद्र मोदी जी के मन की बात वार्ड नंबर 65 के बूथ संख्या 363 मे राजकुमार सिंह के नेतृत्व मे रोहित सोनकर जी के दुकान पर सुना गया।जिसमे उपस्थित, रितेश पाल, भैया लाल सोनकर, विनोद पटेल जी विनीत राय,बाबू खान, गुलाब बिन्द,जयंत केशरी,प्रदीप अपटेल राजकुमार पटेल, जयंत केशरी,रोहित सोनकर, संजय सोनकर, इत्यादि उपस्थित रहे।

शहीद वीर अब्दुल हमीद पीएचसी पर डा0 अजय ने लिया पद भार, लोगों ने किया स्वागत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को शहीद वीर अब्दुल हमीद नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धामुपुर में 6 माह से डॉक्टर का रिक्त पदग्रहण किए जिसके बाद 29 जनवरी 2024 को नए डॉक्टर अजय कुमार का गुलदस्ता देकर जोरदार स्वागत किया गया। मौके पर उनके पदग्रहण करने के बाद समाजसेवी अनिकेत चौहान समाजसेवी जेपी बौद्ध, विश्वजीत कुमार दीनदयाल राजभर, समाजसेवी संदीप प्रजापति, पुत्तू सिंह, अस्पताल के ललित, सौम्या, मनोज, अखिलेश स्टाफ नर्स अर्चना कई ने गुलदस्ता देकर स्वागत किया ।

सिचाई विभाग के द्वारा नहरों की सफाई के नाम पर हो रही कोरमपूर्ति

चकिया। धान का कटोरा कहे जाने वाले जनपद चन्दौली मे किसानों की समस्याओं को भले ही जनपद के अधिकारियों के द्वारा किसानों के खेतो नहरो की साफ सफाई को लेकर निर्देश दिया गया है।मगर तमाम निदेशों के बाद भी सिचाई विभाग के अधिकारी किसानों की समस्याओं को लेकर लापरवाह बने हुए है। तथा नहरो की सफाई के नाम पर ठेकेदारों के द्वारा कोरम पुर्ति की गयी है जिससे नहर का पानी किसानों के खेतों तक नहीं पुर्ण रुप से नही पहुंच सकेगा। जिसको लेकर ग्रामीणों में रोष आपको बताते चले की पुरा मामला चकिया नगर मुख्यालय से सटे डुही सुही गांव के समीप का है। जहां गांव के ग्रामीणो ने बताया की सिंचाई विभाग के द्वारा किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने को लेकर नहरो की साफ सफाई करवाई गयी है। तथा सपही जंगल के समीप निकली नहर की साफ सफाई बिगत कुछ दिनो पुर्व ही की गयी है। जिसमें नहर की सफाई के नाम पर ठेकेदार के द्वारा कोरमपुर्ती की गयी है तथा सरकारी धन का जमकर दुरूप्रयोग हुआ है। और सिचाई विभाग के अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत से खानापूर्ति करते हुए पुर्ण सफाई दिखा दी गयी गयी है। अगर नहरो की सफाई के खर्च की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तो कई जिम्मेदारो पर कार्रवाई होगी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओंओं ने निकाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा

चन्दौली। बरहनी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में रविवार को भारत जोडो न्याय यात्रा निकाला।न्याय यात्रा छतेम न्याय पंचायत में दुधारी छलका से मनराजपुर तेंदुहान होते हुए बरहनी समाप्त हुआ।इसमें आगामी फरवरी माह में नौबतपुर में राहुल गांधी के भारत जोडो न्याय यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया। जिला महासचिव मुनीर खान ने कहा कि देश में तेजी से अपराध बढ़ रहा है।महंगाई अपने चरम सीमा पर चल रहा है।पार्टी की सोच को भाजपा अमलीजामा पहनाने का काम कर रहा है।आगामी लोकसभा चुनाव में कार्यकताओं को एकजुट होकर ईमानदारी पूर्वक कार्य करना होगा।तभी चुनाव में अपनी ताकत का एहसास कराया जा सकता है।कांग्रेस पार्टी एक ईमानदार सोच को पैदा करती है।आगामी चुनाव में अभी से कार्यकर्ता कमर कस कर तैयार हो जाए।कार्यकर्ता गांव गांव जाकर कांग्रेस के नीतियों को आम जन को बताने का काम करे।इस मौके पर रजनीकांत पाण्डेय, रामानंद सिंह यादव, सत्येंद्र उपाध्याय, मदन मुरारी बिन्द, अरविंद सिंह, सैयद अंसारी, राजू कुमार, धर्मेंद्र बिन्द, शिवलाल कुशवाहा, चंदन उपाध्याय, विपिन उपाध्याय, अख्तर अंसारी, गोविंद पाल, आदि लोग रहे।

गौर निताई की शोभा यात्रा में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात : किरण चोपड़ा

▸▸ अयोध्या से शुरू होकर जल्द यह यात्रा मथुरा-वृंदावन पहुंचेगी : कपिल खन्ना

▸▸ श्री श्री राधा माधव इस्कॉन मंदिर ने किया गौर निताई की शोभा यात्रा का आयोजन

श्री राधा माधव मंदिर इस्कॉन रोहिणी द्वारा इस्कॉन के संस्थापक प्रभु पादजी के सानिध्य में रविवार को गौर निताई जी की भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया। इस शोभा यात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालु भक्त उत्साहपूर्वक शामिल हुए। सांवरिया टेंट जापानी पार्क से रथयात्रा शुरु होकर डीसी चौक, अंबिका अपार्टमेंट, अग्रसेन धर्मशाला, प्रशांत विहार, फायर ब्रिगेड, साईं बाबा चौक, एम2के, अयोध्या चौक, अंबेडकर अस्पताल के सामने से निकलते हुए सांवरिया टेंट पर ही

कार्यक्रम को संबोधित करती हुई श्रीमती किरण चोपड़ा

समाप्त हुई। मंदिर प्रबंधन और सेवादारों ने इस उत्सव के सफल आयोजन के लिए भक्तिभाव के साथ अपनी सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान की तो वहीं श्रद्धालु भक्त भी इसमें पीछे नहीं रहे। उन्होंने उत्साहपूर्वक भगवान का स्वागत कर उन्हें छप्पन भोग अर्पित किए। कीर्तन व नृत्य के संगीतमय

रोहिणी के जापानी पार्क में इस्कॉन मंदिर सेक्टर-25 द्वारा आयोजित रथ यात्रा पर आयोजित कार्यक्रम में आए लोगों को संबोधित करती हुई पंजाब केसरी दिल्ली की डायरेक्टर व वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब की चेयरपर्सन श्रीमती किरण चोपड़ा साथ में वीएचपी दिल्ली के अध्यक्ष कपिल खन्ना, आचार्य सुखदेव जी, अध्यक्ष केशव मुरारी व अन्य अतिथिगण। (दाएं) रथ यात्रा के पथ पर झाड़ू लगाती श्रीमती किरण चोपड़ा।

वातावरण में भक्तों ने भगवान को रथ पर आसीन किया।

रथ पर आरूढ़ भगवान ने रोहिणी के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरते हुए सभी को अपनी सुंदर छवि का दर्शन लाभ प्रदान किया। रथ यात्रा के मार्ग में भक्तों ने भक्ति भाव के साथ भगवान की आरती की और भोग लगाकर उनका स्वागत किया। इस भव्य समारोह में विश्व हिन्दू परिषद के दिल्ली प्रांत अध्यक्ष कपिल खन्ना, राधा माधव मंदिर इस्कॉन

वीएचपी दिल्ली के अध्यक्ष कपिल खन्ना

रथ यात्रा में झाड़ू की सेवा करती महिलाओं के साथ श्रीमती किरण चोपड़ा।

रोहिणी के अध्यक्ष केशव मुरारी व क्षेत्र के विभिन्न गणमान्य भक्तों ने भाग लिया। इस दौरान विहिप के दिल्ली प्रांत अध्यक्ष कपिल खन्ना ने कहा कि इस आनंद को देखकर अयोध्या का आनंद ध्यान आ रहा है। इस वर्ष यह आनंद और बढ़ेगा क्योंकि रामलला अपने घर आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या से शुरु होकर यह यात्रा जल्द मथुरा-वृंदावन पहुंचेगी और हम वहीं मिलेंगे। हम प्रफुल्लित होकर कृष्ण मंदिर बनाएंगे,यह संकल्प लेना है। वहीं पंजाब केसरी की निदेशक व वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब की चेयरपर्सन किरण चोपड़ा ने कहा कि गौर निताई की भव्य शोभा यात्रा के इस कार्यक्रम में शामिल होने मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इसके लिए मैं सभी को बधाई देती हूं।

उन्होंने कहा कि लालकिले पर आयोजित रथयात्रा में भी मैने सोने की झाड़ू लगाई थी। राधा माधव इस्कॉन मंदिर रोहिणी के अध्यक्ष केशव मुरारी ने कहा कि यह पल हम सभी के लिए भक्ति भावना से ओतप्रोत करने वाला है। इस्कॉन रोहिणी मंदिर की कीर्तन मंडली ने मृदंग और मंजीरे की धुन पर हरे कृष्ण महामंत्र संकीर्तन करते हुए रथ यात्रा मार्ग को प्रशस्त किया। समापन स्थान पर इस्कॉन गुरुकुल रोहिणी के छात्रों और भक्तों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर इस्कॉन के संस्थापक प्रभु पादजी, मुख्य पुजारी उपेन्द्र वामन सहित आचार्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज जी ने सभी का उत्साह बढ़ाया और आशीर्वाद दिया। मंदिर प्रबंधन द्वारा सभी के लिए आरंभ और समापन स्थान पर प्रसादम की व्यवस्था की गई थी।

रामायण

नाव में श्रीराम को बैठाने की तैयारी?

सारी नावें शृंगार के मुकाबले से उतरी थी। सबकी इच्छा थी कि राम मेरी नोका में बैठे केवट अपनी व ठीक कर रहा था, पर उस गरीब की नाव पुरानी थी। उसमें बिछाने के लिए कुछ नहीं था। अत: आधी रात को केवट की आंखों में आंसू आ गए। उसने अपनी पत्नी को कहा कि इतनी सारी नावें सजी हुई हैं इसमें हमारी नाव का नम्बर कहां से आएगा? यदि कल राम हमारी नाव में नहीं बैठेंगे तो हमारा जीवन किस काम का? पत्नी ने विश्वास दिलाया, आप निराश मत होइये। आपका प्रेम सच्चा होगा तो सबकी नावें रह जाएगी और राम आपकी नाव में बैठेंगे। केवट बोले राम तो दयालु हैं पर वे शायद आ जायें पर गुह नहीं आने देगा। वह कहेगा कि राम इस गांव के मेहमान है। ऐसी नौका में जाएंगे। मैं नई नौका मांगता हूं। पत्नी बोली राम चाहेंगे तो सबको छोड़ देंगे। व्यक्ति झूठा हो तो कठिनाईयां उत्पन्न करता है। बाकी सब राम पर छोड़ दो। वे क्या नहीं कर सके? प्रेम सच्चा होगा तो राम आयेंगे ही यह विश्वास पैदा हो गया था। फिर तीर कमान लेकर लक्ष्मण और गुहराज जहां चर्चा कर रहे थे उनके पीछे जाकर रखवाली करने लगा।

मोरारी बापू जी

प्रभु से मिलाप संभव है

संतमत सिद्धांत

महान पवित्र पुस्तक 'गुरमत सिद्धांत 84 विषयों वाला' के बाद 'सन्तमत सिद्धांत' श्री राधा स्वामी सत्संग ब्यास जी की ओर से इस पृथ्वी पर हर इंसान के लिए ऐसी अनूठी कृति है कि जीवन सुखी रह सकता है। महाराज सावन सिंह जी रचित 'सन्तमत सिद्धांत' के समर्पण में चरन सिंह जी महाराज ने लिखा है कि गुरुवाणी के गूढ़ विषयों को आसानी से समझना और पालन करने तक की विवेचना 'सन्तमत सिद्धांत' में की गई है। महाराज सावन सिंह जी ने 'सन्तमत सिद्धांत' में जो कुछ मानवता के लिए समर्पित किया, इस महान संकलन को हम अपने पाठक प्रेमियों की भारी मांग पर अक्षरशः प्रस्तुत कर रहे हैं ताकि वे व्यावहारिक जीवन में एक-दूसरे से प्यार कर सकें, परोपकार कर सकें, जोकि सन्तमत सिद्धांत का वास्तविक उद्देश्य है। - संपादक

वह चाहता है कि वह कर्म भी अपनी मर्जी से करे और उसे फल भी अपनी मर्जी का प्राप्त हो। दूसरे शब्दों में वह रचना के संचालन के लिए प्रभु द्वारा बनाए गए नियमों से मुक्त होना चाहता है, यह हौमै है। इसी तरह वह प्रभु द्वारा अपने साथ मिलाप के लिए बनाए गए साधन या मार्ग की बजाय मनमर्जी के साधन या मार्ग द्वारा प्रभु से मिलाप करना चाहता है। गुरु अमरदास जी कहते हैं:

हउमै विचि भगति न होवई
हुकमु न बुझिआ जाइ॥
हउमै विचि जीउ बंधु है
नामु न वसै मनि आइ॥
(आदि ग्रंथ, पृ. 560)

जब तक जीव मनमर्जी के साधनों द्वारा प्रभु प्राप्ति का यत्न करता है, वह हौमै से ग्रस्त है, इसलिए न उसे प्रभु के हुक्म की पहचान हो सकती है और न ही उसका प्रभु से मिलाप हो सकता है, जिसके कारण वह हमेशा रचना से बंधा रहता है। हमें व्यावहारिक दृष्टि से हर चीज के बारे में गहराई से सोचना चाहिए। जितना गहराई में जाकर सोचते हैं और जितना हमारे ज्ञान का दायरा विशाल होता है, हौमै का बंधन उतना ढीला होता जाता है। जितना हमारा दायरा छोटा होता है, हम उतना अधिक हौमै का शिकार होते हैं। जब सिर्फ अपने आपको सामने रखते हैं, तो अपने आपको बड़ा समझते हैं। जब अपने आपको परिवार के प्रसंग में रखकर देखते हैं, तो पहले से छोटे हो जाते हैं। जब स्वयं को देश के प्रसंग में रखकर देखते हैं, तो बहुत हीछोटे हो जाते हैं और जब स्वयं को ब्रह्मांड के प्रसंग में रखकर देखते हैं, तो हमारी हस्ती रेत के कण सेभी छोटी हो जाती है। तब हमें अपनी तुच्छता का ज्ञान होता है। अपनी तुच्छता का विवेक हमारे अंदर हौमै की बजाय नम्रता पैदा करता है। हमें यह समझने का यत्न करना चाहिए कि हम न अपने रचयिता हैं, न संसार के और न संसार के संचालन में काम कर रहे नियमों के। न हम अपनी मर्जी से संसार में आए हैं, न अपनी मर्जी का संसार बना सकते हैं और न ही इसके संचालन के लिए मनमर्जी के नियम बना सकते हैं। फिर हम हौमै किस बात की करते हैं? किसान कहता है कि मैं अपने प्रयत्नों से फसलें उगाता हूं।

क्या है कर्मयोग?

बुढ़ापा आते-आते तक ऐसा सड़-गल गया मन कि बैठाओ सत्संग में-बुड्ढे बाबा जी बुरा नहीं मानना, बुड्ढी माता जी बुरा नहीं मानना, लेकिन बात सच्ची। बुड्ढे बाबा को बैठा दो सत्संग में तो वहां बैठा भी वह देखेगा कौन रिश्तेदार आया है। जोग शब्द का अर्थ होता है मिलाप। तो जोगी शब्द का अर्थ हो गया 'जो मिल गया।' किससे? उसी से। जो सब दिलों का दिलदार है, जो सब यारों का यार है, हर जर्रे में जो समाया है, हर दिल में जिसका घर बसाया है, ऐसे से जिसकी नजर मिल जाती है। जोग अथवा योग कई किस्म का। भक्ति योग, ज्ञान योग, राज योग, कर्म योग। ये सब योग। कर्म योग क्या है? अकर्ता भाव से जीवन में कर्म करना और सब करते हुए भी किसी भी कर्म का अभिमान न लेना, ये कर्मयोग है। मैंने कल भी कहा था, लोग सोचते हैं, कथा-सत्संग में ज्यादा नहीं जाना चाहिए। ज्यादा जाओ तो दुनिया के काम के नहीं रहोगे। लोग यह समझते हैं, ज्यादा सत्संग में जाने लग जाए कोई जवान लड़का-लड़की तो घरवालों के कान कुत्तों की तरह खड़े हो जाते हैं। कहां जाते हो? ये तेरी उम्र है जाने की? अरेभइया? कब जाओगे? जब चला नहीं जाएगा, जब सुना नहीं जाएगा।

गुरु मां

अयोध्या में आस्था का जनसैलाब

22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा के दर्शन किए और अगले दिन जब आम जनता के लिए अयोध्या में राम मंदिर के द्वार दर्शन हेतू खुले तो वहां पांच लाख लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। तब से लेकर आज तक हर रोज आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। नई कमेटी गठित कर दी गयी है जो संचालन व्यवस्था संभालेगी।

भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। भक्तों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अयोध्या में एक हजार रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों की तैनाती की गई है। रामपथ पर सुबह से भी भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। हर कोई रामलला के दर्शन को आतुर दिख रहा है। अव्यवस्था जैसी स्थिति से बचने के लिए पुलिस और प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि भीड़ लगातार मौजूद है, लेकिन उसके लिए व्यवस्था की जा रही है। पुलिस ने बुजुर्ग और दिव्यांग लोगों से अपील की है कि अयोध्या यात्रा का कार्यक्रम अभी न बनाएं। उन्हें दो सप्ताह बाद यहां आने का अनुरोध किया गया है। वहीं, मंगलवार को भारी भीड़ जैसी स्थिति बनने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ स्वयं अयोध्या पहुंचे। उन्होंने तमाम स्थिति का जायजा लिया। कुल मिलाकर भक्तों का सैलाब यूं ही उमड़तार रहेगा।

राम मंदिर में दर्शन के लिए लंबी लाइन लगी हुई है। सुबह से ही लोगों ने दर्शन के लिए लाइन लगा दी। अभी करीब एक किलोमीटर लंबी लाइन लगी हुई है। शासन और प्रशासन के एक्टिव होने के बाद अब भीड़ को कंट्रोल कर

लिया गया है। लोग अपनी बारी आने के बाद दर्शन कर रहे हैं।

अयोध्या में भारी भीड़ पहुंचने के बाद बाहर से आने वाली गाड़ियों पर एक बार फिर रोक लगा दी गई है। लोगों से अनुरोध किया जा रहा है कि वे बाद में आकर दर्शन करें। अयोध्या में भक्तों की भारी भीड़ जुटने के बाद अन्य लोगों को पहले दर्शन के लिए भेजा जा रहा है। 200- 200 के जत्थे में लोगों को मंदिर में दर्शन के लिए भेजा जा रहा है। धीरे-धीरे समय बीत रहा है लेकिन अयोध्या क्योंकि करोड़ों आस्थाओं का बड़ा केंद्र है और अब तो यह एक सबसे बड़ा पर्यटन केंद्र भी बन गया है तो प्रशासन इस बात की व्यवस्था में लगा है कि भीड़ को नियंत्रण में कैसे किया जाये। अयोध्या आने वाले राम भक्तों का आलम यह है कि वे अयोध्या के निकटवर्तीक्षेत्रों में पहले से ही आकर रह रहे हैं ताकि तड़के 4 बजे राम लला के दर्शन कर सके। भक्तों की भीड़ को कंट्रोल करने के लिए सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। आरएफ के एक हजार जवानों की तैनाती राम जन्मभूमि परिसर के आसपास की गई है।

राम मंदिर में पहले दिन करीब 5 लाख भक्तों ने प्रभु रामलला के दर्शन किए। रामलला का दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मंदिर के आसपास पुलिस अधिकारियों के अनाउंसमेंट्स भी चल रहे हैं। लोगों को सचेत किया जा रहा है कि भीड़ में अनुशासित होकर रहें। सावधान रहें। पुलिस अधिकारी ने कहा कि भक्त आराम से आएं। इसके अलावा आसक्त, दिव्यांग, बीमार या व्रती भक्तों को एक हफ्ते बाद आने का अनुरोध किया जा रहा है। राम मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि भारी संख्या में लोग अयोध्या में सुधार किया गया है। गृह विभाग के अधिकारी बराबर स्थिति पर निगाह रखे हुए हैं और उनका प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पूरा तालमेल बना हुआ है। खबर है कि विदेश से लाखों भक्त अयोध्या आने को तैयार है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा हम भक्तों को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करेंगे। मंदिर के अंदर और बाहर करीब 1000 जवानों को तैनात किया गया है। यह तैनाती अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगी।

रामलला के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों की सुरक्षा और बेहतर तरीके से दर्शन के लिए अब प्रशासनिक स्तर पर तैयारियों को तेज कर दिया गया है। फोर्स तैनात करने के सवाल पर पुलिस अधिकारी का कहा कि मंगलवार को रामलला मंदिर में जितनी ही फोर्स तैनात की गई थी, उतनी ही आज भी तैनात की गई है। हम परिस्थिति के अनुसार प्लानिंग करते रहते हैं। पुलिस ने कहा कि मंदिर के भीतर कोई समान लेकर नहीं जा सकते हैं। 26 जनवरी तक गाड़ियों का डायवर्जन किया गया है। 26 जनवरी के बाद मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए आगे की सुरक्षा व्यवस्था पर फैसला लिया जाएगा।

खबर संक्षेप

पीएनबी ने 2023-24 के लिए बढ़ाया मुनाफे का अनुमान

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपने मुनाफे का अनुमान बढ़ाकर 7,000-7,500 करोड़ रुपये कर दिया है। बैंक ने तीसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। देश के दूसरे सबसे बड़े बैंक ने इससे पहले कहा था कि चालू वित्त वर्ष में उसका मुनाफा 6,000 करोड़ रुपये रह सकता है।

बाजार पूंजीकरण में नुकसान एचडीएफसी बैंक को

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का सामूहिक बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) पिछले सप्ताह 1.16 लाख करोड़ रुपये घट गया। सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 982.56 अंक या 1.37 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

अंतरिम बजट तय करेगा शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली। शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह अंतरिम बजट, अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नीतिगत ब्याज दर पर निर्णय और कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि इसके अलावा निवेशक आगे के संकेतों के लिए विदेशी निवेशकों की गतिविधियों तथा वैश्विक रुख पर नजर रखेंगे।

लाल सागर मार्ग से देश का निर्यात 50 फीसदी, आयात 30 फीसदी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

लाल सागर जल मार्ग के आसपास चल रहे संकट का प्रभाव विभिन्न उद्योगों के आधार पर अलग-अलग होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में देश के निर्यात का 50 प्रतिशत और आयात का 30 प्रतिशत इस मार्ग से हुआ है।

- हुती विद्रोहियों ने यहां से गुजरने वाले जहाजों पर नवम्बर से हमले शुरू किए

क्रिसिल रेटिंग्स ने लाल सागर संकट के कारण देश में विभिन्न व्यापार खंडों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की है। लाल सागर व्यापारिक मार्ग में संकट तब शुरू हुआ जब यमन स्थित हुती विद्रोहियों ने अक्टूबर, 2023 में शुरू हुए इजरायल-फलस्तीन युद्ध के कारण नवंबर में वहां से गुजरने वाले वाणिज्यिक माल ढुलाई जहाजों पर लगातार हमले किए।

क्रिसिल रेटिंग्स ने पड़ने वाले प्रभाव को लेकर जारी की रिपोर्ट

18 लाख करोड़ रुपए का निर्यात इसी मार्ग से

पिछले वित्त वर्ष में देश से 18 लाख करोड़ रुपये का निर्यात (50 प्रतिशत) और 17 लाख करोड़ रुपये का आयात (30 प्रतिशत) इन क्षेत्रों से हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में देश का कुल माल व्यापार 94 लाख करोड़ रुपये था। इसमें मूल्य का 68 प्रतिशत और मात्रा का 95 प्रतिशत समुद्री मार्ग से हुआ था।

विद्रोहियों पर अमेरिका व ब्रिटेन का भी जवाबी हमला

फिलहाल अमेरिकी और ब्रिटेन की सेना भी विद्रोहियों पर जवाबी हमले में लगी हुई है। घरेलू कंपनियां यूरोप, उत्तरी अमेरिका, उत्तरी अफ्रीका और पश्चिम एशिया के हिस्से के साथ व्यापार करने के लिए स्वेज नहर के माध्यम से लाल सागर मार्ग का उपयोग करती हैं।

लंबे मार्ग के कारण आपूर्ति का समय बढ़ा : नवंबर, 2023 से लाल सागर क्षेत्र मार्ग से जाने वाले जहाजों पर बढ़ते हमलों ने जहाजों को 'केप ऑफ गुड होप' के वैकल्पिक लंबे मार्ग पर विचार करने के लिए प्रेरित किया है।

60 फीसदी रॉक फॉस्फेट जॉर्डन व मिस्र से आयात देश 30 प्रतिशत डीएपी सऊदी अरब से, 60 प्रतिशत रॉक फॉस्फेट जॉर्डन एवं मिस्र से और 30 प्रतिशत फॉस्फोरिक एसिड जॉर्डन से आयात करता है। कृषि वस्तुओं और समुद्री खाद्य पदार्थों जैसे क्षेत्रों में काम करने वाली कंपनियों को अपने माल की खराब प्रकृति और/या कम मार्जिन के कारण महत्वपूर्ण प्रभाव देखने को मिल सकता है,।

कंटेनर माल ढुलाई दरें 300 प्रतिशत बढ़ीं : नवंबर, 2023 से शंघाई उत्तरी यूरोप कंटेनर माल ढुलाई दरें 300 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 6,000-7,000 अमेरिकी डॉलर/टीईयू हो गई हैं। दूसरी ओर, कपड़ा, रसायन और पूंजीगत सामान जैसे क्षेत्रों में काम करने वाली कंपनियों पर तुरंत प्रभाव नहीं पड़ सकता है, क्योंकि उनके पास उच्च लागत को वहन करने की बेहतर क्षमता है, या कमजोर व्यापार चक्र भी इसका एक कारण है।

चुनाव को देख लोकलुभावन योजनाएं पेश की जा सकती है

बजट में 'मोदी की गारंटी' छाए रहने की संभावना : पूर्व वित्त सचिव गर्ग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सरकार के आम चुनाव से पहले पेश किए जाने वाले बजट में 'मोदी की गारंटी' की छाप रहने की संभावना है। इस अंतरिम बजट में मध्यम वर्ग, किसानों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों समेत मतदाताओं के बड़े वर्ग को आकर्षित करने के लिए 'लोकलुभावन योजनाएं' पेश की जा सकती हैं।

यह बात पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने रविवार को कही। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार इस गारंटी को पूरा करने के लिए अगर जरूरत हुई, तो राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को लेकर थोड़ी रियायत भी ले सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में एक फरवरी को वित्त वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करेंगी। यह उनका लगातार छठा बजट होगा।

बजट में मध्यम वर्ग और किसानों के हितों को मिल सकती है प्राथमिकता

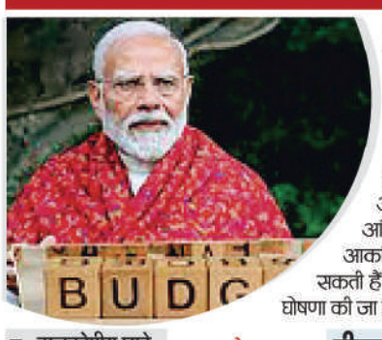

30 करोड़ असंगठित श्रमिकों पर होगा ध्यान

पूर्व वित्त सचिव ने कहा, "असंगठित क्षेत्र में बेरोजगारी और वेतन कटौती को लेकर काफी संकट है। केंद्र सरकार के पास असंगठित क्षेत्र के 30 करोड़ श्रमिकों का आंकड़ा है। वित्त मंत्री इन श्रमिकों को आकर्षित करने के लिए कुछ घोषणाएं कर सकती हैं। उन्हें सालाना कुछ नकद राशि देने की घोषणा की जा सकती है।"

- राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को लेकर थोड़ी रियायत ले सकते हैं
- वित्तमंत्री सीतारमण का यह लगातार छठवां बजट होगा

75 करोड़ मतदाता होंगे लक्ष्य : पूर्व वित्त सचिव ने कहा, 'सरकार ने 2019 में मध्यम वर्ग, किसानों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों - को लक्षित किया था। कुल मिलाकर ये लगभग 75 करोड़ मतदाता हैं।

2019 के चुनाव से पहले पेश हुआ था अंतरिम बजट

गर्ग ने कहा, 'वास्तव में, लोकसभा चुनाव से पहले पेश होने वाला अंतरिम बजट, सत्ता में मौजूद पार्टी के लिए मुफ्त एवं लोकलुभावन योजनाओं के जरिये मतदाताओं को आकर्षित करने का एक मौका होता है। वर्ष 2019 में आम चुनाव से पहले पेश अंतरिम बजट में भी हम ऐसा होते हुए देख चुके हैं।'

पीएम किसान निधि जारी रख सकते हैं

उस समय वित्त मंत्री की अतिरिक्त जिम्मेदारी निभा रहे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मध्यम वर्ग को आकर्षित करने के लिए पांच लाख रुपये तक की कर-योग्य आय को आयकर से छूट दी थी। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 12 करोड़ किसानों को सालाना 6,000 रुपये नकद भी उपलब्ध कराने की घोषणा की।

पुरानी घोषनाओं पर दिया जाएगा ध्यान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान कई घोषणाएं कीं। इसमें अन्य बातों के अलावा 450 रुपये में एलपीजी गैस सिलेंडर, गरीब महिलाओं को 1,250 रुपये का नकद हस्तांतरण, 21 साल की उम्र की तक गरीब लड़कियों को दो लाख रुपये आदि की घोषणाएं शामिल हैं और इन्हें 'मोदी की गारंटी' का नाम दिया गया।

वित्तीय सहायता देने की संभावना

बिहार सरकार ने हाल ही में 6,000 रुपये प्रति माह से कम आय वाले 94 लाख गरीब परिवारों को दो लाख रुपये देने की घोषणा की है। इसको देखते हुए अंतरिम बजट में इस तबके को प्रत्यक्ष रूप से वित्तीय सहायता दिये जाने की संभावना है।

राज्यों का राजस्व नवंबर तक पांच प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

- इक्रा रेटिंग की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई
- पिछले साल की तुलना में लिया 37 प्रतिशत अधिक कर्ज

देश के 16 सबसे बड़े राज्यों की कुल राजस्व प्राप्तियां अप्रैल-नवंबर 2023 के दौरान पांच प्रतिशत की दर से बढ़ीं। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में राजस्व प्राप्तियों में वृद्धि 17.4 प्रतिशत रहने का बजट अनुमान है।

इक्रा रेटिंग की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में कहा गया कि अप्रैल-नवंबर 2023 के दौरान राजस्व वृद्धि दर पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 80 प्रतिशत घट गई। राज्यों ने चालू वित्त वर्ष में नवंबर, 2023 तक सालाना आधार पर 37 प्रतिशत अधिक कर्ज लिया है। राजस्व प्राप्ति उम्मीद से कम रहने के चलते उन्हें अपने ऋण, वेतन तथा पेंशन का भुगतान करने के लिए चालू वित्त वर्ष में भारी उधार लेना होगा। रिपोर्ट में कहा गया कि राजस्व में कमी बिक्री कर में गिरावट, राज्य माल एवं सेवा कर संग्रह (एसजीएसटी), उत्पाद शुल्क और स्टाम्प तथा पंजीकरण शुल्क से कम प्राप्तियों के चलते हुई।

केंद्रीय अनुदान में कमी से राज्यों की स्थिति हुई तंग

रिपोर्ट में कहा गया कि केंद्रीय अनुदानों में कमी के चलते भी राज्यों की स्थिति तंग हुई है। इक्रा ने कहा कि चौथी तिमाही में राजस्व संग्रह बेहतर होने का अनुमान है, लेकिन यह वृद्धि कमी को पूरी तरह से दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी।

तेल-तिलहनों में गिरावट से पेराई मिलें संकट में

नई दिल्ली। बीते सप्ताह देशी तेल-तिलहनों के थोक दाम टूटते दिखे और इसके कारण देश की पेराई मिलों का संकट बढ़ गया है। दूसरी ओर, विदेशों में कच्चे पामतेल (सीपीओ) के दाम में सुधार के बीच देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल की कीमतों में मजबूती रही।

बिन्नी बंसल का फ्लिपकार्ट के निदेशक मंडल से इस्तीफा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट के सह-संस्थापक बिन्नी बंसल ने कंपनी के निदेशक मंडल से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने बयान में यह जानकारी दी। बंसल ने लगभग छह महीने पहले कंपनी में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी थी। बंसल ने कहा, 'मुझे पिछले 16 साल में फ्लिपकार्ट समूह की उपलब्धियों पर गर्व है। फ्लिपकार्ट मजबूत स्थिति में है, एक मजबूत नेतृत्व टीम और आगे बढ़ने का स्पष्ट रास्ता है। कंपनी सक्षम हाथों में है और इस विश्वास के साथ मैंने कंपनी छोड़ने का फैसला किया है। मैं टीम को शुभकामनाएं देता हूं क्योंकि वे ग्राहकों के अनुभवों को लगातार बदलते रहेंगे और मैं व्यवसाय का एक मजबूत समर्थक बना रहूंगा।' बिन्नी ने 2007 में सचिन बंसल के साथ ई-कॉमर्स कंपनी की सह-स्थापना की थी।

- घरेलू मूल्यवर्धन का अनुपात 25 प्रतिशत से बढ़कर 45 प्रतिशत हो गया
- योजना का एकमात्र उद्देश्य कलपुर्जों के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करना

एसी के लिए पीएलआई योजना 'पासा पलटने' वाली साबित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एयर कंडीशनर (एसी) उद्योग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना 'पास पलटने' वाली साबित हो रही है। पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि इस योजना के डेढ़ साल के भीतर घरेलू मूल्यवर्धन का अनुपात 25 प्रतिशत से बढ़कर 45 प्रतिशत हो गया है। पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस के भारत और दक्षिण एशिया के चेयरमैन मनीष शर्मा ने कहा कि एयर-कंडीशनर के लिए पीएलआई योजना का एकमात्र उद्देश्य कलपुर्जों के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करके वित्त वर्ष 2027-28 तक मूल्यवर्धन को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत करना है। शर्मा ने कहा कि एक साल से कुछ अधिक समय में ही यह 25 बढ़कर 45 हो गया है। तो, यह बदलाव है, जो हो रहा है, और यही कारण है कि मुझे लगता है कि पीएलआई एक पासा पलटने वाली योजना साबित हो रही है, विशेष रूप से एयर कंडीशनर उद्योग के लिए। शर्मा उद्योग मंडल फिक्की की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण समिति के प्रमुख भी हैं।

योजना की घोषणा बहुत कम समय में हुई : शर्मा ने कहा कि इस क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना की घोषणा बहुत कम समय में की गई थी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उद्योग 'उचित सहमति' के साथ प्रस्ताव बनाने के लिए एक साथ आया था। उन्होंने कहा, 'सरकार की प्रतिक्रिया भी काफी तेज थी। उद्योग ने भी उतनी ही तेज गति से जवाब दिया।'

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से निकाले 24,700 करोड़

नई दिल्ली। अमेरिका में बांड पर प्रतिफल बढ़ने के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजारों से 24,700 करोड़ रुपये निकाले हैं। दूसरी ओर ऋण या बांड बाजार को लेकर उनका उत्साह बना हुआ है। इस अवधि में उन्होंने बांड बाजार में 17,120 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक (25 जनवरी तक) भारतीय शेयरों से शुद्ध रूप से 24,734 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले पूरे दिसंबर में एफपीआई ने 66,134 करोड़ रुपये और नवंबर में 9,000 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।

महिंद्रा की ऑल-इलेक्ट्रिक एक्सयूवी 400 प्रो रेंज पेश

▶▶ मुंबई

भारत की अग्रणी एसयूवी निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने रविवार को 15.49 लाख की शुरुआती कीमत पर एक्सयूवी 400 प्रो रेंज के लांच की घोषणा की। नवीनतम प्रो रेंज में तीन नए वेरिएंट पेश किए गए हैं। ईसी प्रो (34.5 किलोवाट बैटरी, 3.3 किलोवाट एसी चार्जर), ईएल प्रो (34.5 किलोवाट बैटरी, 7.2 किलोवाट एसी चार्जर) और ईएल प्रो (39.4 किलोवाट बैटरी, 7.2 किलोवाट एसी चार्जर), प्रत्येक उन्नत सुविधाएँ और बेहतर आराम प्रदान करती है।

महिंद्रा ऑल- इलेक्ट्रिक एक्सयूवी400 में गैर-लक्जरी सेगमेंट में सबसे तेज त्वरण है; महज 8.3 सेकंड में 0-100 किमी प्रति घंटा, टॉप स्पीड 150 किमी प्रति घंटा। सी-सेगमेंट एसयूवी श्रेणी में परिचालन करने वाली, एक्सयूवी 400 4200 मिमी लंबी है और इसमें 2600 मिमी का व्हीलबेस है, जो इसके यात्रियों को न केवल उत्कृष्ट केबिन स्पेस और लेगरूम प्रदान करता है, बल्कि 378 लीटर / का सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास बूट स्पेस भी प्रदान करता है। भारतीय ड्राइविंग चक्र मानकों के अनुसार क्रमशः 456 किलोमीटर और 375 किलोमीटर की रेंज प्रदान करता है।

3 इंटेलिजेंट ड्राइव मोड

मजेदार, तेज और निडर, ड्राइविंग अनुभव को आपके मूड के अनुरूप बनाते हैं। 'लाइवली मोड' एक सेगमेंट-पहली सुविधा है, जो घने ट्रैफिक में सहज संचालन को सक्षम बनाता है। एक्सयूवी एक्सयूवी400 में छह एयरबैग, ईपीएस, टीपीएमएस, ऑटो-डिमिंग आईआरवीएम, सभी 4 डिस्क ब्रेक, आईएसओ एफआईएक्स सीटों सहित श्रेणी-अग्रणी सुरक्षा सुविधाएँ भी प्रदान की जाती हैं।

सीएनएच इस साल भारत में पांच करोड़ डॉलर का करेगी निवेश

- मई में 105 एचपी का ट्रैक्टर उतारेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इतालवी-अमेरिकी ऑफ रोड निर्माण और कृषि कंपनी सीएनएच इस साल भारत में कृषि मशीनरी खंड में पांच करोड़ डॉलर का निवेश करेगी। इसके अलावा कंपनी का इरादा इस साल मई में 105 एचपी का ट्रैक्टर भी उतारने का है। सीएनएच इंडिया के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। सीएनएच न्यू हॉलैंड ब्रांड नाम से कृषि मशीनरी और उपकरणों का उत्पादन और बिक्री करती है। कंपनी इस साल 30-40 हॉर्सपावर (एचपी) से कम की कॉम्पैक्ट ट्रैक्टर श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करेगी। साथ ही कंपनी का इस साल 1,000 बेलर मशीनें (पराली प्रबंधन के लिए उपयोग की जाने वाली) बेचने का लक्ष्य है। वर्तमान में सीएनएच इंडिया की भारत के ट्रैक्टर बाजार में चार प्रतिशत हिस्सेदारी है। सीएनएच भारत और दक्षेस के कंट्री प्रबंधक एवं प्रबंध निदेशक नरिंदर मित्तल ने बातचीत में कहा कि भारत के कृषि क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं और कंपनी का इरादा अगले चार साल में अपनी बाजार हिस्सेदारी को दोगुना कर आठ प्रतिशत पर पहुंचाने का है।

भारत की गैस मांग छह फीसदी बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। उर्वरक इकाइयों, बिजली उत्पादन और औद्योगिक क्षेत्रों में खपत बढ़ने के साथ भारत की प्राकृतिक गैस की मांग 2024 में छह प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने यह जानकारी दी। भारत में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति 2022 में सालाना आधार पर सात प्रतिशत घट गई थी, हालांकि 2023 में इसमें पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान मुख्य रूप से पेट्रोरसायन, बिजली उत्पादन, रिफाइनरी और औद्योगिक क्षेत्रों से मांग बढ़ी। आईईए ने पिछले सप्ताह जारी गैस बाजार रिपोर्ट में कहा, 'भारत में प्राकृतिक गैस की मांग 2024 में छह प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। यह मांग मुख्य रूप से उर्वरक क्षेत्र सहित उद्योग में अधिक गैस उपयोग और बिजली क्षेत्र में मजबूत खपत से समर्थित है। इसके अलावा राष्ट्रीय पाइपलाइन ग्रिड और शहरी अवसंरचना के विकास से भी गैस क्षेत्र को बढ़ावा मिल रहा है।

मुथूट फाइनेंस ब्रिक्स बिजनेस अवार्ड से सम्मानित

▶▶ नई दिल्ली

भारत के अग्रणी वित्तीय संस्थानों में से एक, मुथूट फाइनेंस को 19 जनवरी 2024 को ली मेरिडियन, नई दिल्ली में एक शानदार पुरस्कार समारोह के दौरान प्रतिष्ठित 'ब्रिक्स-सीसीआई बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड इन लीडरशिप' से सम्मानित किया गया।

यह विशिष्ट पुरस्कार द मुथूट ग्रुप के संयुक्त प्रबंध निदेशक अलेक्जेंडर जॉर्ज मुथूट को पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं जम्मू-कश्मीर रियासत के महाराजा डॉ. करण सिंह के द्वारा प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में केजे अल्फोंस, पूर्व केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, वीवीआईपी, वीआईपी और अन्य सम्मानित अतिथियों की भी उपस्थिति रही। अलेक्जेंडर जॉर्ज मुथूट ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'नेतृत्व के लिए ब्रिक्स बिजनेस अवार्ड प्राप्त करना नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम ब्रिक्स देशों के बीच प्रगति और सहयोग में हमारे योगदान के लिए मान्यता प्राप्त होने पर सम्मानित महसूस कर रहे हैं।'

विशेष प्रमाणपत्र भी प्रदान

पुरस्कार के अलावा, एक विशेष प्रमाणपत्र भी दिया जाता है जिसमें उल्लेख किया गया है कि यह पुरस्कार अत्यधिक सस्ती दरों पर सोने के बदले ऋण प्रदान करने में मुथूट फाइनेंस के उत्कृष्ट योगदान और भारत में वित्तीय सेवाओं पर इसके महत्वपूर्ण प्रभाव को मान्यता देता है।

बड़े शहरों में फ्लैट का औसत आकार 11 % बढ़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बीते साल देश के प्रमुख शहरों में फ्लैट का औसत आकार 11 प्रतिशत बढ़ा है। इसकी चलते रियल एस्टेट कंपनियों उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप बड़े घरों का निर्माण कर रही हैं। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

- कंपनियां उपभोक्ताओं के मांग के अनुरूप बड़े घरों का निर्माण कर रही

एनारॉक ने सात प्रमुख शहरों के प्राथमिक आवास बाजार में 2023 के दौरान घरों की ताजा आपूर्ति का विश्लेषण किया है। आंकड़ों से पता चला है कि शीर्ष सात शहरों में औसत फ्लैट का आकार पिछले साल बढ़कर 1,300 वर्ग फुट हो गया, जो 2022 में 1,175 वर्ग फुट था।

दिल्ली में सर्वाधिक 37 फीसदी बढ़ा

कोलकाता में औसत फ्लैट आकार 2022 में 1,150 वर्ग फुट से दो प्रतिशत घटकर 2023 में 1,124 वर्ग फुट रह गया। दिल्ली-एनसीआर में औसत फ्लैट आकार 2022 के 1,375 वर्ग फुट से 37 प्रतिशत (सर्वाधिक) बढ़कर 2023 में 1,890 वर्ग फुट हो गया। हैदराबाद में औसत फ्लैट आकार सर्वाधिक है। यहां औसत फ्लैट आकार 2022 के 1,775 वर्ग फुट से 30 प्रतिशत बढ़कर 2023 में 2,300 वर्ग फुट हो गया।

रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक ने जारी की रिपोर्ट

आकांक्षी वर्ग में प्रीमियम घरों की मांग बढ़ी

क्रिसुमी कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक मोहित जैन ने कहा कि समाज का आकांक्षी वर्ग ऐसे प्रीमियम घरों की मांग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो विशाल और आकार में बड़े हैं। उन्होंने कहा, 'यह प्रवृत्ति निकट भविष्य में भी जारी रह सकती है।'एमएमआर में औसत फ्लैट आकार 2022 में 840 वर्ग फुट से पांच प्रतिशत घटकर 2023 में 794 वर्ग फुट रह गया।

मुंबई व कोलकाता में औसत फ्लैट आकार कम हुआ

पिछले साल मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और कोलकाता में औसत फ्लैट आकार कम हुआ है जबकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर)-दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई में यह बढ़ गया है। औसत फ्लैट आकार 2019 में 1,050 वर्ग फुट, 2020 में 1,167 वर्ग फुट और 2021 में 1,170 वर्ग फुट था।

बड़े घरों की मांग महामारी के कारण शुरू हुई थी

एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, 'पिछले साल बड़े लक्जरी घरों की आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। कुल नई परियोजनाओं में से लगभग 23 प्रतिशत लक्जरी श्रेणी में थीं।'पुरी ने कहा, बड़े आकार के घरों की मांग कोविड-19 महामारी के कारण शुरू हुई थी, लेकिन तीन साल बाद भी इसके कम होने के कोई संकेत नहीं हैं।

यानिक सिनर ने खिताब जीत रचा इतिहास ऑस्ट्रेलियन ओपन को मिला नया चैंपियन

3-6, 3-6, 6-4, 6-4, 6-3 से जीता मैच

मेदवेदेव की 6 ग्रैंडस्लैम फाइनल में पांचवीं हार

मेलबर्न। यानिक सिनर ने दो सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में दानिल मेदवेदेव को 3-6, 3-6, 6-4, 6-4, 6-3 से हराकर अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता। सेमीफाइनल में उलटफेर कर नोवाक जोकोविच के टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे दबदबे को खत्म करने वाले 22 साल के सिनर पहली बार किसी बड़े टूर फाइनल में खेल रहे थे। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी है। अमेरिकी ओपन 2021 के चैंपियन मेदवेदेव की ग्रैंडस्लैम में छह फाइनल में यह पांचवीं हार है।

10 साल बाद मिला नया विजेता

ऑस्ट्रेलियन ओपन को 10 साल बाद कोई नया चैंपियन मिला है। पिछली बार 2014 में स्विट्जरलैंड के स्टैन वावरिंका खिताब जीते थे। उनके बाद कोई नया चैंपियन नहीं मिला था। साल 2004 से स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर, सर्बिया के नोवाक जोकोविच और स्पेन के राफेल नडाल ही इस टूर्नामेंट को जीत रहे हैं। 2004 से फेडरर छह बार चैंपियन बने। जोकोविच ने उनसे ज्यादा 10 बार खिताब अपने नाम किया। वहीं, नडाल दो बार चैंपियन बने। इस बीच रूस के मराट साफिन 2005 और वावरिंका 2014 में सफल हुए थे।

पांच-पांच सेट के तीन मैच जीते, चौथे हारे

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार फाइनल में जगह बनाने के बावजूद मेदवेदेव खिताब नहीं जीत सके। वह 2021 में जोकोविच और 2022 में राफेल नडाल से हारे थे। नडाल के खिलाफ भी वह अपनी पहले दो सेट की बढ़त को बरकरार नहीं रख सके थे। मेदवेदेव इस बार खिताबी मुकाबले तक पहुंचने के लिए पांच-पांच सेट के तीन मैच जीते। इसमें से दो मैचों में उन्होंने शुरुआती दो सेट में पिछड़ने के बाद दमदार वापसी की।

सू वेई-मर्टेंस को महिला युगल खिताब

ताईवान की 38 वर्ष की सेह सू वेई ग्रैंडस्लैम युगल खिताब जीतने वाली दूसरे सबसे उम्रदराज महिला बन गई जिन्होंने बेल्जियम की एलिसे मर्टेंस के साथ आस्ट्रेलियाई ओपन महिला युगल खिताब अपने नाम किया। दूसरी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने 11वीं वरीयता प्राप्त लाटविया की येलेना ओस्टापेंको और यूक्रेन की लिउडमाइला किचेनोक को 6-1, 7-5 से हराया। यह सू वेई का सातवां महिला युगल ग्रैंडस्लैम खिताब था जबकि मर्टेंस ने चौथी बार जीता है। आस्ट्रेलिया की लीजा रेमंड सू वेई से आठ दिन बड़ी थी जब उन्होंने 2011 अमेरिकी ओपन महिला युगल खिताब जीता था। मार्टिना नवरातिलोवा ने 49 वर्ष की उम्र में बॉब ब्रायन के साथ 2006 अमेरिकी ओपन जीता था।

खबर संक्षेप

शाजी की बर्खास्तगी के लिए बैठक कल

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने महासचिव शाजी प्रभाकरण की बर्खास्तगी पर चर्चा के लिए मंगलवार को कार्यकारी समिति की बैठक बुलाई है। उच्च न्यायालय द्वारा हालांकि उनकी बर्खास्तगी पर रोक लगाने के आदेश के बावजूद उन्हें आमंत्रित किये जाने की संभावना नहीं है। बैठक के एजेंडे में एक विषय का उल्लेख है, 'महासचिव के पद से डॉ. शाजी प्रभाकरण की बर्खास्तगी और सेवा समाप्ति। नहीं, मुझे एआईएफएफ की मंगलवार की कार्यकारी समिति की बैठक के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है।'

हॉकी5 महिला विश्व कप में उपविजेता रही टीम इंडिया

मस्कट। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी5 महिला विश्व कप के फाइनल में नीदरलैंड से 2-7 से हारकर उपविजेता रही। भारत के लिए ज्योति छत्री ने 20वें और रुतुजा दादासो पिसाल ने 23वें मिनट में गोल दागे। नीदरलैंड के लिए यानेके वान डे वेन्ने (दूसरा और 14वां मिनट), बेंते वान डेर वेल्ट (चौथा और आठवां), लाना काल्से (11वां और 27वां) और सोशा बेनिंगा (13वां मिनट) ने गोल किए। एफआईएच हॉकी5 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी को तीन लाख और सहयोगी स्टाफ को डेढ लाख रुपए पुरस्कार देने का ऐलान किया है।

आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट से हटाया बैन

कोलंबो। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद बोर्ड ने रविवार को तत्काल प्रभाव से श्रीलंका क्रिकेट पर लगा निलंबन हटा दिया। श्रीलंका क्रिकेट को आईसीसी सदस्य के रूप में दायित्वों के गंभीर उल्लघंन के लिए पिछले साल नवंबर में निलंबित कर दिया गया था। इन दायित्वों में विशेष रूप से अपने मामले स्वायत्तता से संभालने और संचालन में कोई सरकारी हस्तक्षेप नहीं होने की जरूरत शामिल थी। बोर्ड निलंबन के बाद से श्रीलंका क्रिकेट के हालात की निगरानी कर रहा है और अब इस बात से संतुष्ट है कि वह अब सदस्यता दायित्वों का उल्लंघन नहीं कर रहा है।

टेस्ट : ओली पोप ने बनाए 196 रन, हार्टले ने झटके 7 विकेट

हार्टले ने डेब्यू मैच में भारत को किया 'हर्ट' इंग्लैंड ने 28 रन से दर्ज की यादगार जीत

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

ओली पोप (196 रन) के जोशीले शतक के बाद पदार्पण कर रहे बाएं हाथ के स्पिनर टॉम हार्टले (62 रन देकर सात विकेट) ने जादुई स्पैल डाला। इससे इंग्लैंड ने रविवार को यहां पहले टेस्ट के चौथे दिन भारत पर 28 रन की यादगार जीत से पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल की। इंग्लैंड ने भारत को जीत के लिए 231 रन का लक्ष्य दिया। लेकिन हार्टले की फिरकी के जाल में फंसकर मेजबान टीम चौथे दिन दूसरी पारी में 69.2 ओवर में 202 रन पर सिमट गई। घरेलू टेस्ट में 2013 के बाद यह भारत की चौथी हार है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत का रवैया पोप के रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की गेंदबाजी से निपटने के तरीके से बिल्कुल विपरीत था। भारत के दोनों अनुभवी स्पिनर पिच पर कभी भी खतरनाक नहीं दिखे और इंग्लैंड ने दूसरी पारी में काफी रन बटोर लिए। इससे पहले इंग्लैंड ने पोप की बदौलत दूसरी पारी में 420 रन बनाए जिससे उन्हें काफी अच्छी बढ़त मिली। यह हार भारत को गहरा घाव देगी क्योंकि टीम 25 साल के लंकाशर के ऐसे गेंदबाज के सामने ढह गई जिसे कुल मिलाकर केवल तीन अंतरराष्ट्रीय मैच का अनुभव है।

हैदराबाद में पहली हार

साथ ही हैदराबाद के इस मैदान पर भारतीय टीम की यह टेस्ट इतिहास में पहली हार है. इस टेस्ट मैच से पहले तक इस मैदान पर भारतीय ने कुल 5 टेस्ट मैच खेले थे, जिसमें से 4 जीते (लगातार) और 1 ड्रॉ (पहला मैच) रहा था। इस तरह हैदराबाद में भारतीय टीम की यह पहली हार है।

टेस्ट डेब्यू में ही मचाया धमाल

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ बेन स्टोक्स ने टॉम हार्टली का डेब्यू कराया। भारत की पहली पारी में मात्र दो विकेट लेने वाले टॉम हार्टली का खूब मजाक बनाया गया। इसके बाद भारत की दूसरी पारी में कहर बनकर टूटे। हार्टली ने कप्तान रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, अक्षर पटेल, केएस भरत, रविचंद्रन अश्विन और मोहम्मद सिराज को अपना शिकार बनाया। हार्टली ने कुल 9 विकेट चटकाए।

घर में सबसे शर्मनाक हार

भारत की यह अपने घर में अब तक इतिहास की सबसे शर्मनाक हार है। दरअसल, भारतीय टीम पहली बार अपने घर में पहली पारी में 100 या उससे ज्यादा रनों की बढ़त बनाकर हारी है। इस मैच में भारतीय टीम ने पहली पारी में 190 रनों की बढ़त बनाई थी।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
ज़ैक्ली का रोहित बो अश्विन	31	33	4	1
बेन डकेट बो बुमराह	47	52	7	0
ओली पोप बो बुमराह	196	278	21	0
जो रूट पगबाधा बो बुमराह	02	06	0	0
जॉनी बेयरस्टो बो जडेजा	10	24	1	0
बेन स्टोक्स बो अश्विन	06	33	0	0
बेन फोक्स बो पटेल	34	81	2	0
रेहान का भरत बो बुमराह	28	53	3	0
टॉम हार्टली बो अश्विन	34	52	4	0
टुड का भरत बो जडेजा	00	07	0	0
जैक लीच नाबाद	00	00	0	0

अतिरिक्त : 32, कुल : 102.1 ओवर में 420/10
गेंदबाजी : बुमराह 16.1-4-41-4, अश्विन 29-4-126-3, पटेल 16-2-74-1, जडेजा 34-1-131-2, सिराज 7-1-22-0.

भारत दूसरी पारी :	रन	गेंद	4	6
रोहित पगबाधा बो हार्टले	39	58	7	0
यशस्वी का पोप बो हार्टले	15	35	2	0
शुभमन का पोप बो हार्टले	00	02	0	0
राहुल पगबाधा बो रूट	22	48	3	0
अक्षर का एवं बो हार्टले	17	42	3	0
श्रेयस अय्यर का रूट बो लीच	13	31	1	0
रविंद्र जडेजा रन आउट	02	20	0	0
श्रीकर भरत बो हार्टले	28	59	3	0
अश्विन स्टं फोक्स बो हार्टले	28	84	2	0
जसप्रीत बुमराह नाबाद	06	18	0	0
सिराज स्टं फोक्स बो हार्टले	12	20	1	0

अतिरिक्त : 20, कुल : 69.2 ओवर में 202/10
गेंदबाजी : रूट 19-3-41-1, मार्क वुड 8-1-15-0, टॉम हार्टले 26.2-5-62-7, लीच 10-1-33-1, रेहान अहमद 6-0-33-0.

ओलंपियन दिव्यांश ने विश्व रिकॉर्ड से जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| काहिरा

भारतीय ओलंपियन दिव्यांश सिंह पंवार ने रविवार को यहां पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल्स में विश्व रिकॉर्ड बनाकर देश को आईएसएसएफ विश्व कप में दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। इस 21 साल के निशानेबाज दिव्यांश ने 253.7 अंक से चीन के शेंग लिहाओ के पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में बनाए गए 253.3 के रिकॉर्ड को बेहतर किया।

दिव्यांश ने क्वालीफिकेशन में विश्व स्तरीय 632.4 अंक से पहले स्थान से 24 शॉट के फाइनल में जगह बनाई जिसमें भी अपने सटीक निशानों से रजत पदक विजेता इटली के दानी सोलाजो को 1.9 अंक से पछाड़ दिया। उन्होंने एक भी स्कोर 10 से कम का नहीं बनाया और उनके दो शॉट परफेक्ट 10.9 अंक के रहे। दिव्यांश ने जीत के बाद कहा, 'मैं लंबे समय बाद स्वर्ण पदक जीतकर खुश हूं। हाल के दिनों में मैं अच्छा निशाना लगा रहा था लेकिन चूक रहा था। इस पदक से निश्चित रूप से इस महत्वपूर्ण वर्ष में मेरा आत्मविश्वास बढ़ेगा।' यह दिव्यांश का विश्व कप चरण में कुल पांचवां स्वर्ण पदक है।

जोसेफ को 7 विकेट

वेस्टइंडीज ने 27 साल बाद आस्ट्रेलिया को दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

शामार जोसेफ के सात विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने गाबा पर दिन रात का टेस्ट जीता जो आस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट में 27 साल बाद मिली जीत है। जोसेफ को वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में मिचेल स्टार्क का यॉर्कर लगा था और उन्हें मैदान से जाना पड़ा था। उन्होंने गेंदबाजी में कमाल दिखाते हुए 68 रन देकर सात विकेट लिए और आस्ट्रेलिया को 207 रन पर आउट कर दिया। सलामी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 146 गेंद में 91 रन बनाकर नाबाद रहे।

- स्टीव स्मिथ 146 गेंद में 91 रन बनाकर रहे नाबाद

दो मैचों की सीरीज, 1-1 से बराबर

एडीलेड में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 24 वर्ष के जोसेफ 11वें नंबर के बल्लेबाज जोश हेजलवुड का विकेट लेते ही खुशी के मारे उछल पड़े। वेस्टइंडीज ने एडीलेड टेस्ट तीन दिन के भीतर दस विकेट से गंवाने के बाद वापसी करके श्रृंखला में 1-1 से बराबरी की। वाका पर 1997 में दस विकेट से जीत दर्ज करने के बाद से वेस्टइंडीज ने आस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच नहीं जीता है। वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 311 और दूसरी पारी में 193 रन बनाए थे। मेजबान कंगारुओं ने 289 और दूसरी पारी में 207 रन ही बना सके।

भारत ने अमेरिका को 201 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| ब्लोमफोंटेन

सलामी बल्लेबाज अर्शिन कुलकर्णी (108 रन) के शतक के बाद तेज गेंदबाज नमन तिवारी के चार विकेट की मदद से भारत ने रविवार को यहां अंडर-19 विश्व कप के अपने अंतिम ग्रुप मैच में अमेरिका पर 201 रन की बड़ी जीत दर्ज की।

- अंडर-19 विश्व कप : नमन तिवारी ने झटके चार विकेट

पहले ही 'सुपर सिक्स' में जगह पक्की कर चुकी गत चैंपियन भारत ने इस तरह टूर्नामेंट में अजेय लय जारी रखी। अब टीम सुपर सिक्स में ग्रुप ए में शीर्ष पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अर्शिन और मुशीर खान (73 रन) के अर्धशतक से भारत ने पांच ओवर में 326 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। फिर वामहस्त तेज गेंदबाज तिवारी (20 रन देकर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों ने कमजोर टीम अमेरिका को 50 ओवर में आठ विकेट पर 125 रन पर समेट दिया।

भारत की दिव्यांग क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को नौ विकेट से रौंदा

अहमदाबाद। रविंद्र सांते के हरफनमौला खेल के दम पर भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में रविवार को यहां इंग्लैंड को 49 रन से हराया। मैन ऑफ द मैच सांते ने बल्ले से 18 रन का योगदान देने के बाद आठ रन पर दो विकेट चटकाए। इस श्रृंखला आयोजन बीसीसीआई के तत्वावधान में दिव्यांग क्रिकेट परिषद कर रहा है। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 146 रन बनाए। मध्यक्रम के बल्लेबाज योगेन्द्र ने टीम के लिए सर्वाधिक योगदान दिया। उन्होंने 26 गेंदों में एक चौके और दो छक्कों की मदद से 31 रन बनाए। इंग्लैंड के गेंदबाज कैलम फ्लिन, एंथोनी क्लैफाम और डेनियल माइकल ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 18 ओवर में 97 रन पर आउट हो गयी। टीम के लिए एंगस ब्राउन ने सबसे ज्यादा 25 रन बनाए।

भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर की निगाहें टी20 विश्व कप पर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर व्यक्तिगत तौर पर चुनौतीपूर्ण दौर के कारण कुछ मुकाबलों में नहीं खेल पाए लेकिन अब वह वापसी को तैयार हैं और उनकी निगाहें इस साल के अंत में होने वाले टी20 विश्व कप पर लगी हुई हैं।

पिता के 'ब्रेन स्ट्रोक' के कारण वह दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के भारत दौरे और फिर इसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भी नहीं खेल पाए। चाहर ने कहा, 'मैं अपने पिता की वजह से ही यहां हूं, जो भी मैंने हासिल किया है वो अपने पिता की वजह से ही हासिल किया। इस हालत में अगर उनके पास नहीं हूं तो मैं कैसा बेटा हूं? अगर यह श्रृंखला भारत में होती तो मैं निश्चित रूप से खेलने की कोशिश करता क्योंकि अगर जरूरत होती तो मैं चार-पांच घंटे में अस्पताल पहुंच सकता था।

एनसीए में किया अभ्यास

चाहर ने कहा, 'मैंने एक महीने से अभ्यास नहीं किया था। मैं एनसीए गया और अभ्यास शुरू किया। मैं अब पूरी तरह फिट हूं। सब ठीक है और मैंने आईपीएल और विश्व कप के लिए कड़ी ट्रेनिंग की है। मैं चोटों के कारण दो टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाया। अगर मैं पूरी तरह फिट होता तो मैं विश्व कप टीम का भी हिस्सा होता। किसी भी टीम संयोजन में हमेशा ऐसे गेंदबाज की जरूरत होती है तो जो सातवें, आठवें और नौवें नंबर पर बल्लेबाजी कर सके। मैंने ऐसा किया है और भारतीय टीम के लिए रन बनाए हैं।'

इटली के यानिक सिनर ने रचा इतिहास, फाइनल मुकाबले में दानिल मेदवेदेव को हराकर जीता पहला खिताब

मेलबर्न। यानिक सिनर ने दो सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में दानिल मेदवेदेव को 3-6, 3-6, 6-4, 6-4, 6-3 से हराकर अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता। सेमीफाइनल में उलटफेर कर नोवाक जोकोविच के टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे दबदबे को खत्म करने वाले 22 साल के सिनर पहली बार किसी बड़े टूर फाइनल में खेल रहे थे। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी है। अमेरिकी ओपन 2021 के चैम्पियन मेदवेदेव की ग्रैंडस्लैम में छह फाइनल में यह पांचवीं हार है। तीसरी वरीयता प्राप्त रूस के खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के अपने चौथे पांच-सेट तक चले मैच के साथ ग्रैंडस्लैम के ओपन युग में कोर्ट पर सबसे अधिक समय बिताने का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने इस मामले में 2022 अमेरिकी ओपन में कार्लोस अल्कराज के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। अल्कराज ने तब 23 घंटे 40 मिनट कोर्ट पर बिताये थे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार फाइनल में जगह बनाने के बावजूद मेदवेदेव खिताब नहीं जीत सके। वह 2021 में जोकोविच और 2022 में राफेल नडाल से हारे थे। नडाल के खिलाफ भी वह अपनी पहले दो सेट की बढ़त को बरकरार नहीं रख सके थे। मेदवेदेव इस बार खिताबी मुकाबले तक पहुंचने के लिए पांच-पांच सेट के तीन मैच जीते। इसमें से दो मैचों में उन्होंने शुरूआती दो सेट में पिछड़ने के बाद दमदार वापसी की। सिनर ने इस दौरान फाइनल से पहले छह मैचों में में केवल एक सेट गंवाया जो जोकोविच के खिलाफ तीसरे सेट के टाईब्रेकर में था।

सत्यार्थ प्रकाश

आर्य समाज का महान ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश जिसके रचयिता स्वामी दयानंद सरस्वती जी हैं, में जीवन को सही दिशा में ले जाने के सूत्र हैं और अगर इंसान इसे पढ़े और इसकी शिक्षाओं पर चले तो मानव का कल्याण तो होगा ही बल्कि समाज में भी कुरीतियां दूर होंगी और नैतिक संस्कारों का उजाला होगा। पाठकों की भारी मांग पर इसे प्रस्तुत किया जा रहा है।

सर्वव्यापी परमात्मा

अष्टांग योग से परमात्मा के समीपस्थ होने और उसको सर्वव्यापी, सर्वांतर्यामी रूप से प्रत्यक्ष करने के लिए जो-जो काम करना होता है, वह-वह सब करना चाहिए। जो उपासना का आरंभ करना चाहे उसके लिए यही आरंभ है कि वह किसी से वैर न रखे, सर्वदा सबसे प्रीति करे, सत्य बोले, मिथ्या कभी न बोले, चोरी न करे, सत्य व्यवहार करे, जितेंद्रिय हो, लंपट न हो और निरभिमानी हो, अभिमान कभी न करे। ये पांच प्रकार के यम मिलकर उपासना योग का प्रथम अंग हैं। राग-द्वेष छोड़ भीतर और जलादि से बाहर पवित्र रहे। धर्म से पुरुषार्थ करने से लाभ में न प्रसन्नता और हानि में न अप्रसन्नता करे। प्रसन्न होकर आलस्य छोड़ सदा पुरुषार्थ किया करे, सदा दुख-सुखों का सहन और धर्म ही का अनुष्ठान करे अधर्म का नहीं। सर्वदा सत्य शास्त्रों को पढ़े-पढ़ाए, सत्पुरुषों का संग करे और 'ओम्' इस एक परमात्मा के नाम का अर्थ विचार कर नित्यप्रति जप किया करे। अपने आत्मा को परमेश्वर की आज्ञानुकूल समर्पित कर दे। इन पांच प्रकार के नियमों को मिलाकर उपासना योग का दूसरा अंग कहलाता है। इसके आगे छह अंग योगशास्त्र व ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका में देख लें। जब उपासना करना चाहें तब एकांत शुद्ध देश में जाकर, आसन लगा, प्राणायाम कर बाह्य विषयों से इंद्रियों को रोक, मन को नाभिप्रदेश में व हृदय, कंठ, नेत्र, शिखा अथवा पीठ के मध्य हाड़ में किसी स्थान पर स्थिर कर अपनी आत्मा और परमात्मा का विवेचन करके परमात्मा में मग्न हो जाने से संयमी हों। जब इन साधनों को करता है तब उसका आत्मा और अंतःकरण पवित्र होकर सत्य से पूर्ण हो जाता है। नित्यप्रति ज्ञान-विज्ञान बढ़ाकर मुक्ति तक पहुंच जाता है। जो आठ प्रहर में एक घड़ी भर भी इस प्रकार ध्यान करता है वह सदा उन्नति को प्राप्त हो जाता है।

जब बूंद सागर बन जाती है

उसके लिए कोई विभाजन रेखाएं नहीं हैं। जैसे वह समृद्ध पर बरसेगा और जैसे वह पुण्यात्माओं पर प्रगट होगा वैसे ही पापात्माओं पर भी प्रगट होगा। आम्ता के तल पर प्रगट हुआ प्रेम आत्मा में परमात्मा को जगा देता है। परमात्मा का अर्थ इतना ही है कि बून्द न रही, वह सागर बन गई। परमात्मा का अर्थ इतना ही है कि आत्मा खण्ड-खण्ड न रही, वह अखंड बन गई। सार्वभौम बन गई। आत्मतल पर प्रगट हुआ प्रेम शाश्वत बन जाता है, सनातन बन जाता है। वह अजर, अमर और अक्षर बन जाता है। उस प्रेमः को हम जितना बांटते हैं व उतना ही फैलता है। बांटने से वह कम नहीं होता है। बादल सागर से अहर्निश जल लिया करते हैं, क्या सगार का जल कम होता है?

मुनि मणिभद्र

ऐसे ही आत्मा का प्रेम अक्षय है। किसी भी अवस्था में वह क्षय को प्राप्त नहीं होता है। सम्रण रहे, आत्मातल पर प्रगट होने वाला प्रेम कहीं से आहत नहीं किया जाता है। वह ऐसी वस्तु नहीं हैं कि उसे कहीं से खरीदा जाता हो।

कबीर दास ने गाया था-

प्रेम न बड़ी उपजे, प्रेम न हाट बिकाय।
राजा प्रजा जेही रुचे,
शीश देइ ले जाए॥

प्रेम ऐसी वस्तु नहीं है कि उसे खेतों में उगाया जा सके, या दुकानों पर खरीदा जा सके। प्रेम का तो एक ही मूल्य है और वह मूल्य है सिर। जो सिर देने को तैयार है वही उस सच्चे प्रेम को पा सकता है। सिर देने का अर्थ है अहंकार का विसर्जन। जहां अहंकार बचा रहा जायेगा वहां प्रेम का अवतरण न हो सकेगा।

श्रीमद्भगवद गीता - सुगम हिंदी व्याख्या

हे पार्थ! इन्द्रियों को वश में रख

इन्द्रियां, मन और बुद्धि इसके वासस्थान कहे जाते हैं। यह काम मन, बुद्धि और इन्द्रियों द्वारा ही ज्ञान को ढककर इस जीवात्मा को मोहित करता है ।।

दस इन्द्रियों बुद्धि अरु मन में रहता काम सदा ही इन में इनको विषय प्रलोभन देकर-तत्पश्चात् ज्ञान को ढककर जो देहाभिमान करता है-उसे काम मोहित करता है जो परमार्थ मार्ग के साधक- उनका काम साधना बाधक

सम्बन्ध - काम को मारने का प्रकार और उसे मारने की आज्ञा।

प्यारे लाल त्रिवेदी

अतएव हे भरतवंश में श्रेष्ठ पार्थ।

सर्वप्रथम तू अपनी इन्द्रियों को वश में करके इस ज्ञान और विज्ञान का नाश करने वाले महान पापी काम को निश्चय पूर्वक समाप्त कर दे।।

दोहा- अस्तु प्रथम निज इन्द्रियां,
वश में करो यथार्थ।
शास्त्र विहित कर्तव्य निज, पालन कर हे पार्थ।।
ज्ञान और विज्ञान को,
ढक देता जब काम।
करता पातक व्यक्ति तब,
बिन सोचे परिणाम।।

कर्तव्य अरु अकर्तव्य को-पृथक जताये जो उसको ही विवेक कहते हैं-सत्य ज्ञान भी मनुष्य को कह सकते हैं अनुभव गम्य बोध हो जाये -तभी ज्ञान विज्ञान कहाये काम ज्ञान विज्ञान निरोधक-मिटा काम जो पातक प्रेरक इन्द्रियों को स्थूल शरीर से परे अर्थात् बलवान, श्रेष्ठ और सूक्ष्म कहते है। इन्द्रियों से परे मन हैं। मन से भी परे बुद्धि है और बुद्धि से भी परे वह (अहम) है।

व्रत एवं त्योहार जनवरी-फरवरी 2024

पर्व	तिथि	वार
सकट चौथ	29 जनवरी	सोमवार
चतुर्थी वृद्धि	30 जनवरी	मंगलवार
बुध पंचमी	31 जनवरी	बुधवार
गुरु षष्ठी	1 फरवरी	गुरुवार
कालाष्टमी	2 फरवरी	शुक्रवार
शनि अष्टमी	3 फरवरी	शनिवार
रवि नवमी	4 फरवरी	रविवार

सकट चौथ

इस वर्ष 29 जनवरी को सकट चौथ का व्रत होगा और इस दिन भगवान गणपति की पूजा होती है और व्रत के बाद चंद्रमा को अर्ध्य देकर व्रत खोला जाता है। संतान की इच्छा पूरी होती है, दीर्घायु होती है और सकट चौथ व्रत और गणपति के सिमरण से संतान प्राप्त होती है। गणपति को तिलकुट काभोग लगाया जाता है जिससे वह प्रसन्न होते हैं। अनेक लोग इस व्रत की पूजा आचार्य लोगों से करवाते हैं और इस दिन दान का भी महत्व है। भगवान गणपति सब पर कृपा करते हैं।

स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज

देश भर में अपनी अमृत धारा से सत्य की अनुभूति देशवासियों को कराने वाले राष्ट्र संत गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सौजन्य से लाखों लोग लाभ उठा रहे हैं उनके प्रवचनों पर आधारित यह ज्ञान गंगा पाठकों का कल्याण करेगी ऐसा विश्वास है।

अरुणचन्द्र जी महाराज के सान्निध्य में राघव जैन व उमा जैन ने ली दीक्षा

- कार्यक्रम में देशभर से जैन धर्म के साधु-संत व गणमान्य हुए शामिल
- दीक्षांत समारोह में हुआ विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन

योगीराज पूज्य गुरुदेव श्री अरुणचन्द्र जी महाराज, जैन कोकिला महासाध्वी श्री सुषमा जी, संत-साध्वी जी के पावन सानिध्य में रविवार को दीक्षांत समारोह व धार्मिक समागम का आयोजन किया गया। श्री एसएस जैन सभा प्रशांत विहार द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में दिल्ली सहित देशभर से जैन धर्म के साधु-संत व समुदाय के गणमान्य शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में मुमुक्षु राघव जैन अमृत मुनि बने व श्रीमती उमा जैन साधक चंदनबाला बन गई। इससे पहले दीक्षा शोभा यात्रा में लगभग चार हजार सौभाग्यवती बहनें अष्टमंगल कलश लेकर दीक्षा स्थल पहुंची। कार्यक्रम के दौरान शार्क टैंक व भारत पे के सह संस्थापक अश्नीर ग्रोवर ने मौजूद लोगों को बिजनेस टिप्स दिये। उन्होंने बताया कि कैसे बेहतर व्यापार किया जा सकता है। दीक्षांत समारोह में विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एसएस जैन सभा के महामंत्री जितेन्द्र जैन ने कहा कि उत्तर भारत के 500 संघ इस कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। आज दिल्ली में साधकों का इतना बड़ा सैलाब मेरे भाइयों के कारण है। उन्होंने कहा कि जैन समुदाय के संतों ने यहां पधारकर इस स्थान को पवित्र कर दिया है। उमा जैन उत्तर भारत की प्रथम साधिका हैं। इस दौरान वैरागी राघव जैन ने कहा कि आज मेरे जीवन का सबसे खुशी का दिन है। आज संसार से संयम की ओर ले जाने वाला मेरा मार्ग प्रशस्त हुआ है। मेरे माता-पिता इस दिन को देखने के लिए जीवित नहीं हैं। यदि दोनों जीवित होते तो बड़े खुश होते। आज से मोक्ष मेरा लक्ष्य होगा व संयम मेरा पथ होगा। गुरुदेव श्री अरुणचन्द्र जी महाराज को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज्ञा पालन का काम मेरी जिम्मेदारी होगी और आज्ञा पालन का बल देना आपकी जिम्मेदारी होगी। वहीं साधक उम्मा जैन ने कहा कि मैं मुज्जफरनगर से अग्रवाल परिवार से हूं। आज का दिन मेरे लिए ऐसा है जैसे सोने से सूरज उगा है। अरुण चन्द्र महाराज की देखरेख में मेरी दीक्षा हो रही है। अब मैं जमीन-जायदाद के प्रपंच से दूर रहूंगी। महाराज ने मेरे लिए जो नियमावली बनायी है, अब मैं उसका पालन करुंगी। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन्हें संयम प्यारा है वे दीक्षा लेकर देवलोक जा सकते हैं।

कार्यक्रम में पंजाब केसरी की निदेशक व वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब की चेयरपर्सन किरण चोपड़ा, पूज्य जैन मुनि व संतों सहित श्री एसएस जैन सभा प्रशांत विहार के प्रधान जगदीश प्रसाद जैन, महामंत्री जितेन्द्र जैन, कोषाध्यक्ष तरसेम जैन विश्व हिन्दु परिषद के दिल्ली प्रांत अध्यक्ष कपिल खन्ना, रिठाला से आप विधायक महेन्द्र गोयल, एसीपी आदेश त्यागी व एसीपी अरुण चौधरी सहित हजारों की संख्या में जैन समुदाय से जुड़े लोग पहुंचे।

रोहिणी स्थित जापानी पार्क में आयोजित दीक्षा समारोह में उमड़ा उत्तर भारत का जैन समाज।

महामंत्री जितेंद्र जैन

जीवन का असली सुख सेवा करने में मिलता है : किरण चोपड़ा

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए पंजाब केसरी की निदेशक व वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब की चेयरपर्सन किरण चोपड़ा ने कहा कि जीवन का असली सुख सेवा करने में मिलता है। आज जैन समाज के इस दीक्षांत समारोह में आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। जैन मुनि समाज की सेवा में अपना जीवन लगा देते हैं। आज युवा राघव दीक्षा ले रहा है। आज के भैतिक युग में ऐसा सोचना भी बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि जब तक हम साधु-संतों की बात सुनते हैं तो दूसरों की सेवा करने की बात करते हैं लेकिन घर जाकर सबकुछ भूल जाते हैं। इसीलिए आज सभी यहां से यह प्रण लेकर जाएंगे कि गुरु अरुणचन्द्र महाराज की शिक्षाओं का पालन करेंगे।

मानव बस सुख ही चाहता है

कितनी विचित्र बल्कि हास्यास्पद सी स्थिति है। मानव ऐसी सुख-शांति चाहता है जो कभी दुख या अशांति में परिवर्तित न हो परंतु जीवन-यापन कर रहा है इस ढंग से जिससे दुखों को न चाहते हुए भी उसे सामना करना पड़ता है। नाना प्रकार की समस्याएं और चिंताएं बलात् ही उसके गले पड़ जाती हैं। फिर मस्तक पर हाथ मारने एवं पश्चाताप के सिवा उसे कुछ भी सुझाई नहीं देता। यह है मूल से ही भूल का भयंकर परिणाम। काश! इतना तो विचार कर लिया होता कि जिस सुख की मुझे तलाश है, जो मैं चाहता हूं, वह मुझे मिलेगा कहां से? यथार्थ सुख कहां है, कैसे मिल सकता है? यदि सुखी जीवन-यापन किया होता तब कोई कारण ही न था इस प्रकार शोक-संतप्त होने का, किंतु यह विचार नहीं किया, अंधाधुंध दूसरों की देखा-देखी में चल पड़े उसी राह पर जहां अंत में यही कहना पड़ा-

भूल करके मूल से कितनी मुसीबत बढ़ गई,
जिसको कभी चाहा न था,
वह ही गले में पड़ गई।
इच्छा तो रखी शांति की लेकिन गजब क्या हो गया,
सुख-चैन तेरे भीतर था हाय कहां तू खो गया।

सच्चे सुख की प्राप्ति

सच्चे सुख की प्राप्ति का उपाय यह था कि इच्छाओं को ही शांत किया जाता जबकि मनुष्य विपरीत क्रम चलाए जा रहा है। ज्यों ही अज्ञानता ग्रस्त जीव होश संभालता है तभी से उसकी इच्छाओं का क्रम आरंभ हो जाता है। इच्छाओं की पृष्ठभूमि में मुख्य इच्छा एक ही होती है-स्थायी शांति की, किंतु उसका अंत समय आ जाता है, अनेकानेक इच्छाएं करने पर भी वह शांति उसे उपलब्ध नहीं हो पाती। एक इच्छा की, जब देखा कि उससे मन पूर्णतः शांत नहीं हुआ तो दूसरी इच्छा कर बैठा।

दीदी मां ऋतंभरा

सुख-दुःख देने वाले कौन हैं?

ये जो हमें सुख या दुःख देते मालूम पड़ते हैं ये कौन हैं? यदि हमारे पापों ने हमें बंदी बनाया है तो हम हमारे पुण्यों के भी बंदी हैं। हमें यदि पाप कर्मों के बंधन से छूटना है तो फिर पुण्य कर्मों के प्रतिफल की आशा भी नहीं रखनी है। कई बार लोग भजन कराने के लिए कहते हैं कि करो नहीं तो नर्क में जाओगे लेकिन भय और प्रलोभन के कारण भजन करना, यह प्रेम और भक्ति नहीं है। भक्त, भय और प्रलोभन दोनों से ऊपर उठ जाता है। वह बिना भय के, बिना प्रलोभन के प्रभु का अहर्निश स्मरण करता है। भारत के ऋषि-मुनियों ने बहुत गहरे अर्थों से दोनों हाथों को जोड़ने की विद्या को जाना। दोनों हाथ जोड़ना जो हमारे यहां है यानी द्वैत से ऊपर उठ जाना। जहां दूरी नहीं, जहां द्वैत नहीं, जहां द्वंद्व नहीं, जहां चुनाव नहीं, जहां दोनों हाथ जुड़ गए। 'सारी प्रकृति ही ईश्वर है' कभी-कभी ऐसी भाव दशा बनते ही आपके दोनों हाथ जुड़ गए होंगे। मैंजान गया कि आप रघुकुल नंदन प्रभु श्रीरामचन्द्र जी ही हैं। कृपा करके यह बताइये कि इस गुफा में आपका शुभागमन कैसे हुआ? मैं आपका सेवक हूं, मेरे योग्य कोई कार्य हो तो आज्ञा कीजिए।" श्रीकृष्ण बोले, "इस सारी घटना की जड़ यह मणि है। सत्राजित् के द्वारा मुझ पर लगाए गए आक्षेप के अनुसंधान के लिए मुझे यहां आना पड़ा।" सारी घटना सुनकर जाम्बवान् ने विधिपूर्वक श्रीकृष्ण की पूजा की और स्यमन्तक मणि तथा अपनी कन्या 'जाम्बवती' श्रीकृष्ण के चरणों में अर्पित कर दी। श्रीकृष्ण ने भी उसे अपनी पत्नी रूप में स्वीकार किया और मणि को गले में धारण कर द्वारिका के लिए प्रस्थित हुए। इधर द्वारिका में श्रीमद्देवी भागवत का समापन हुआ। वासुदरेव जी ने ब्राह्मणों तथा कन्याओं को भोजन कराकर दान-दक्षिणा दी।

सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

निरंकारी बाबा हरदेव सिंह

दुनियादारी में फंसा रहता है इंसान

इंसान सुबह-शाम दुनियादारी में फंसा रहता है जिससे इसके मन में विषैलापन आ जाता है, न इसे आनंद प्राप्त होता है न इसके भावों को सुंदरता मिलती है, वह विचलित होकर जीवन में विपरीत चाल चलता है। यह नफरत ही है जिसके कारण इंसान जुल्म-ओ-सितम करता है। धर्म के नाम पर, परमात्मा के नाम पर और जातियों के नाम पर झगड़े होते हैं, दंगे-फसाद होते हैं। अगर प्यार का कहीं नामोनिशान ही नहीं है तो इन्सान काहे का धर्मी है? कौन से मजहब को वह ऊंचा कर रहा है? किस गुरु, पीर, पैगम्बर को वह यश दिलवा रहा है? अगर प्यार से उसका वास्ता ही नहीं है, केवल घृणा उसके मन में बसी है, वह किसी दूसरे को बर्दाश्त करने को तैयार ही नहीं है तो फिर वह कैसा प्रभु प्रेमी है? अगर इन्सान के मन में नफरत के अंगारे जलते हैं तो वह हरगिज प्रभु प्रेमी नहीं है। कुछ विशेष प्रकार के लिबास पहनने और पद्धतियां अपनाने से कोई प्रभु प्रेमी की श्रेणी में नहीं आ जाता। नफरत को दूर करने के लिए प्यार के स्रोत को अपनाना जरूरी है, इसे मन में बसाना जरूरी है। संतजन इसीलिये प्रार्थना करते हैं कि हे दातार, तुझे न भुलायें, पल-पल तेरा अहसास बना रहे, इस मन रूपी चुनरिया पर तेरा रंग चढ़ा रहे। हम उस डगर पर चलें जो हमें मंजिल की ओर ले जाती है, हमारे जीवन को शोभा प्रदान करती है।

मिथ्या व असत् एक जैसे हैं

मिथ्या नहीं था, असत् भी नहीं था, मिथ्या नहीं है, असत् भी नहीं है, मिथ्या नहीं रहेगा, असत् भी नहीं रहेगा, किंतु मिथ्या न होते हुए भी है जैसा भासता है और असत् का होना भासता भी नहीं। तात्पर्य यह कि न था, न है, न रहेगा। इन तीन अंशों में मिथ्या व असत् दोनों एक जैसे ही हैं। केवल अंतर यह है कि मिथ्या न होते हुए भी मध्य में है।

पितुर्यस्य शुचिर्मूर्तिमाता य स्य पति व्रताः।
उभौभ्यां यस्तु संभूतं, तस्य नो चलति मनः॥

जिसका पिता पवित्र आत्मा हो, अर्थात् दूसरे के धन को पत्थर के समान समझता हो और पर स्त्री को माता के समान समझता हो।

जिसकी माता पतिव्रता हो अर्थात् जिसकी दृष्टि में सिवाय अपने पति के और कोई पुरुष न आता हो, ऐसे माता-पिता से उत्पन्न हुईसन्तान का मन चलायमान नहीं होता।

धन में चौदह दोष

स्तेयं हिंसानृतं दम्भः कामः क्रोधः स्मयो मदः।
भेदो वैरमविस्वासः, संस्पर्धा व्यसनानि च॥

चोरी, हिंसा, झूठ, दम्भ, काम, क्रोध, मद, भेदभाव, शत्रुता, अविश्वास, ईर्ष्या, जुआ, शराब, व्यभिचार आदि।

नाम जप महिमा

जैसे चीनी, पानी अग्नि पर रखने पर भी जब तक उसमें दूध न डाला जाए तब तक चीनी की मैल दूर नहीं होती, वैसे ही मन रूपी पात्र में अनेक साधन होने पर भी जब तक नाम जप रूपी दूध न डाला जाए तब तक दुर्वासना रूपी मैल दूर नहीं होती। अर्थात उपासना के बिना दुर्वासना दूर नहीं होती।

मण्डलायुक्त और विधायक धनघटा द्वारा मगहर महोत्सव का दीप प्रज्जवलित कर भव्य शुभारम्भ

दर्शक दीर्घा में उमड़े जन शैलाब के बीच मगहर महोत्सव का हुआ शुभारंभ नहीं दिखी खाली कुर्सियां खड़े रहे लोग

प्रखर संतकबीरनगर। जनपद में महान सूफी संत, कवि एवं समाज सुधारक संत कबीर दास जी की परिनिर्वाण स्थली मगहर में 28 जनवरी से 03 फरवरी 2024 तक आयोजित होने वाले 07 दिवसीय कबीर मगहर महोत्सव का शुभारम्भ मण्डलायुक्त, बस्ती मण्डल, बस्ती अखिलेश सिंह व मा0 विधायक धनघटा गणेश चौहान जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने सदगुरू कबीर साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर संत कबीर साहेब के समाधि एवं मजार पर पूजा अर्चना करने के पश्चात दीप प्रज्जवलित करते हुए किया। मगहर महोत्सव के उद्घाटन के बाद अधिकारियों द्वारा मा0 अतिथिगणों का बैच लगाकर स्वागत किया गया। विद्यालय की छात्र/छात्राओं द्वारा सरस्वती बन्दना के साथ मगहर महोत्सव का विधिवत शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता, महन्त विचार दास, मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार, अपर जिलाधिकारी जय प्रकाश, संयुक्त सचिव अखिल

विश्वविद्यालय संघ दिल्ली डा0 आलोक मिश्र उपस्थित रहे। कबीर चौरा के महन्त श्री विचार दास जी ने मगहर महोत्सव के सुव्यवस्थित एंव गरिमामयी शुरूआत पर प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए जीवन को उत्साह पूर्ण एवं खुशहाल बनाने में कबीर साहब की सोच एवं कृतियों को रेखाकिंत किया तथा सकुशल संचालन हेतु सभी को आशीर्वाद से अभिसिंचित किया। मुख्य अतिथि सहित समस्त अतिथियों ने छात्र/छात्राओं द्वारा सरस्वती बन्दना, गणेश बन्दना, सूर्य नमस्कार, योग नृत्य एवं लोक नृत्य की भूरि-भूरि प्रसंशा करते हुए उनको अशिर्वाद देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार पवन कुमार श्रीवास्तव ने किया। मगहर महोत्सव में जनपद के विभिन्न विभागों जैसे- बेसिक शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कृषि विभाग, वन विभाग, पशुपालन विभाग, महिला कल्याण, पुलिस विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, उद्योग विभाग, बाल विकास पुष्टाहार सहित अन्य विभागों द्वारा अपने योजनाओं एवं उत्पादों आदि के प्रचार-प्रसार करने एवं आम जनता को जागरूक करने के उद्देश्य प्रदर्शनी लगाया गया है। जिसका मा0 आयुक्त महोदय द्वारा अवलोकन किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ के पश्चात बघौली विद्यालयों के बच्चियों द्वारा वाणी बन्दना, लेजर शो, कलर्स ऑफ इंडिया डान्स कबीर कैफे नाइट्स शो का आयोजन हुआ। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष जगत जायसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष अनवरी बेगम, उप जिलाधिकारी सदर/सचिव कबीर मगहर महोत्सव शैलेश दूबे, उप जिलाधिकारी मेंहदावल अरूण वर्मा, उप जिलाधिकारी धनघटा उत्कर्ष श्रीवास्तव, डिप्टी करेक्टर कलेक्ट्रेट डा0 सुनील कुमार, उप जिलाधिकारी संजीव राय, प्रशिक्षु उप जिलाधिकारी मंजुल मयंक, पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर ब्रजेश सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी यातायात दीपांशी राठौर, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 रामानुज कन्नौजिया, तहसीलदार सदर जनार्दन, तहसीलदार धनघटा योगेन्द्र कुमार पाण्डेय, नायब तहसीलदार सदर विजय गुप्ता, नायब तहसीलदार सेमरियांवा प्रियंका तिवारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी वैभव कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी महेन्द्र कुमार, जिला आबकारी अधिकारी आर0पी0 तिवारी, जिला बाट माप अधिकारी बी0पी0 वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी विजयश्री, जिला मत्स्य अधिकारी विजय मिश्र, समिति के सदस्य शिव कुमार गुप्ता, अवधेश कुमार, नुरूज्जा अंसारी, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि, सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज सहित नगर पालिका एवं नगर पंचायत मगहर के सभासदगण, सम्बंधित अधिकारी, शिक्षक एवं छात्र एवं छात्राएं एवं कलाकार व सम्मानित जनता आदि उपस्थित रहे।

जिला कारागार में खराब पड़ी है एम्बुलेंस, बिना अटेंडेंट के हो रहा एक्स-रे : आशुतोष सिन्हा, एमएलसी

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। एमएलसी आशुतोष सिन्हा के द्वारा वाराणसी जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया जहां उन्होंने महिला बैरक,रसोई घर,एक्स-रे रूम एवं अन्य जगहों पर बंदियों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। एलएलसी आशुतोष सिन्हा के द्वारा निरीक्षण के दौरान कारागार परिसर में सफाई व्यवस्था चाक - चौबंद थी जिसकी एलएलसी ने सराहना की लेकिन एम्बुलेंस खराब पड़ी धूल फांक रही थी इसके साथ ही एक्सरे मशीन भी खराब थी और उसके संचालन हेतु कोई अटेंडेंट उपलब्ध नही था। जिसपर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और इस प्रकरण को विधान परिषद के आगामी सत्र में उठाने की बात कही ताकि बंदियों को उचित स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

पत्रकार विकास संघ की ओर से लिट्टी-चोखा सम्मेलन का आयोजन

प्रखर वाराणसी। गोरेगांव पश्चिम स्थित ब्रह्म महेश ग्राउंड में आयोजित किया गया। संघ गत कई वर्षों से यह आयोजन करता है जिसमें प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से सैकड़ों की संख्या में मीडियाकर्मी उपस्थित रहते हैं। संघ के अध्यक्ष आनंद मिश्रा की अगुवाई में महासचिव अजय सिंह के नेतृत्व में 27 जनवरी को आयोजित सम्मेलन में कई राजनेता भी उपस्थित थे। एनडीटीवी के वरिष्ठ पत्रकार सुनील सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार अभय मिश्र, सोनू श्रीवास्तव, अमित तिवारी, धर्मेंद्र पांडेय, दिनेश शर्मा, समीउल्ला खान, संतोष पांडेय, धीरज फुलमती सिंह, आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल गलगली, मुंबई भाजपा की उपाध्यक्ष आचार्य पवन

त्रिपाठी, मुंबई भाजपा प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह, कांग्रेस के नेता संजय निरुपम, विधायक असलम शेख, संजय शुक्ला, काशी से पधारे विनीत त्रिपाठी(जनसंदेश टाइम्स) वाराणसी, बयार परिवार के संयोजकद्वय अनिल मिश्रा और सूर्यकांत उपाध्याय, अमित मेहरा, राजकुमार मिश्रा सहित बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी और समाजसेवी उपस्थित थे। प्रख्यात गीतकार विनोद दुबे ने अपने सुमधुर गीतों से समा बांध दिया। संचालन अमर त्रिपाठी ने किया।

श्री रामोत्सव में शहनाई व भजन की धुन से भक्त हुए भाव विभोर

प्रखर वाराणसी। अस्सी-लंका रोड स्थित होटल किंग्स बनारस में अयोध्या में भगवान प्रभु श्रीराम मंदिर के निर्माण के पुनीत अवसर पर श्रीरामोत्सव व भजन संध्या का आयोजन सामाजिक, धार्मिक व सांस्कृतिक संस्था रसवर्षा संस्थान, दिशा सोसाइटी, नव निर्माण सेवा ट्रस्ट, उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद व ओंकार नाथ सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्र कवि प्रो0 ओम पाल सिंह 'निडर', विशिष्ट अतिथि प्रमुख उद्योग पति दीनानाथ झुंझुंवाला, वरिष्ठ शिक्षाविद प्रो0 अरविंद जोशी व नगर निगम के ब्रांड एम्बेसडर दीपक अस्थाना रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंतराष्ट्रीय हास्य कवि कवि चकाचौंध ज्ञानपुरी रहे। अतिथियों का स्वागत संस्था के अध्यक्ष अजीत पांडये बाबुल, नूतन सिंह, काली शंकर उपाध्याय व सुमन शर्मा ने पुष्प गुच्छ,अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रसिद्ध शहनाई वादक पंडित महेंद्र प्रसन्ना व उनके साथियों द्वारा की गई। उनके गुरु पंडित राजेंद्र प्रसन्ना उसी दिन अयोध्या में शहनाई की धुन में लोगो को राममय कर दिया। उसके बाद नन्हें-मुन्ने बाल कलाकार राम कृष्ण, राधे कृष्ण व राधा कृष्ण तथा विदुषी वर्मा कई भजन प्रस्तुत किए। जिससे पूरा सभागार राममय हो गया। इसके बाद साहित्यकार व कवि चकाचौंध ज्ञानपुरी द्वारा लिखित पुस्तक 'कृतित्व व व्यक्तित्व' का लोकार्पण उपस्थित विशिष्टजनों द्वारा किया गया। इसके बाद प्रमुख समाजसेवी,साहित्यकार उद्योगपति दीनानाथ झुनझुनवाला के 91वे अवतरण दिवस पर 21 संस्थाओं द्वारा नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज मे अपना अनुकरणीय योगदान देने वाले विभिन्न विभूतियों को सम्मानित किया गया जिनमे प्रमुख रूप से डॉ पूजा गुप्ता, डॉ आशुतोष मिश्रा, विवेक जैन, डॉ पल्लवी मिश्रा, अंतरराष्ट्रीय कथावाचक साध्वी प्रिया किशोरी, वैदेही सिंह, अपर्णा सिंह, डॉ प्रवीण तिवारी, डॉ दशरथ पवार,

नीरजा त्रिपाठी, बबलू बिंद, वास्तुविद अंकिता सर्राफ, अंजलि अग्रवाल, सुमन शर्मा सहित अन्य लोग शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन राजेश मिश्रा तथा अंत मे धन्यवाद ज्ञापन कवि चकाचौंध ज्ञानपुरी ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से नीरज गुप्ता, रंजीत राजपाल, आशीष मोदनवाल, संजय कुमार, शुभम वर्मा, राहुल, इंद्रजीत तिवारी निर्भीक, प्रवीण श्रीवास्तव, सुमित जालान, विनोद कुमार, डॉ आनंद कुमार मौर्या, राणा शेरू सिंह, रमेश चन्द्र पांडये, इंद्रदेव सिंह, ओम प्रकाश पांडये, प्रकाश आचार्य सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बैरिकेडिंग लगाकर रोकने का प्रयास कर रहे सिपाही को बकरा चुराकर भाग रहे बदमाशों ने कुचला, मौत

प्रखर कौशांबी/एजेंसी। सरायअकिल के पटेल चौराहा पर सोमवार भोर बोलेरो से बकरा चोरी कर भाग रहे बदमाशों ने पीछा कर रहे सिपाही को कुचल दिया। हादसे में सिपाही की मौत हो गई। सिपाही के मौत की सूचना उसके परिजनों को देने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बलिया जिले के उभांव थाना क्षेत्र के बेल्थरा रोड निवासी अवनीश कुमार दुबे (26), 2018 बैच का सिपाही था। इन दिनों उसकी तैनाती सरायअकिल के तिल्हापुर चौकी में थी। निरीक्षक विनीत कुमार सिंह ने बताया कि रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि के बीच पुरखास गांव के मजरा बजहा के धीरेंद्र सिंह के घर से तीन बकरा चोरी हो गए थे।चोर बोलेरो से बकरा चोरी करने आये थे।चोरी की जानकारी होने पर धीरेंद्र ने डायल 112 पर मामले की जानकारी दी।112 के सिपाहियों ने मामले से तिल्हापुर चौकी को अवगत कराया। सिपाही अवनीश कुमार दुबे और अभिषेक गुप्ता पुरखास चौराहे पर गश्त पर थे। सूचना

मिलने के बाद दोनों सिपाहियों ने बोलेरो में बकरा लेकर भाग रहे बदमाशों का बाइक से पीछा किया। सरायअकिल पहुंचने पर बदमाश बोलेरो को करन चौराहे की ओर लेकर भागे, लेकिन करन चौराहे पर पुलिस की बैरिकेडिंग देखकर बदमाश अपना वाहन मोड़कर दोबारा बेनीराम कटरा की ओर भागने लगे। तब तक पीछा कर रहे सिपाही अवनीश और अभिषेक पटेल चौराहे पर पहुंच कर चौराहे पर रखी बैरीकेड को सड़क पर लगाने लगे। इसी बीच बदमाशों ने बीच सड़क पर सिपाही अवनीश को कुचलते हुए बोलेरो को लेकर बेनीराम कटरा की ओर तेजी से भाग निकले। साथ में मौजूद सिपाही अभिषेक से घटना की सूचना मिलने पर थाने से अन्य सिपाहियों ने गंभीर रूप से घायल अवनीश को संजीवनी अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख उसे प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल ले जाने की सलाह दी। एआरएन पहुंचने पर डॉक्टरों ने अवनीश को मृत घोषित कर दिया। परिजनों को सूचना देने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सपा के नव मनोनीत प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार पांडेय का हुआ स्वागत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में पार्टी कार्यालय समता भवन पर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव के नेतृत्व में कार्यकताओं ने नवमनोनीत प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य राजकुमार पांडे और समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय सचिव भरत यादव जी का भव्य स्वागत किया । स्वागत समारोह में पार्टी के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रजनीकांत यादव और जिला उपाध्यक्ष भगवान यादव ने स्वागत गीत के माध्यम से नवनामित पदाधिकारियों का स्वागत किया। तत्पश्चात जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि राजकुमार जी और भरत जी के मनोनयन से पार्टी को मजबूती मिलेगी। उन्होने कहा कि यह संघर्ष का दौर है आज मुल्क खतरे में है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में लोकतंत्र कमजोर हुआ है। संवैधानिक संस्थाओं पर हमलें हो रहे हैं । भाजपा देश के लोकतांत्रिक प्रणाली के विरुद्ध साजिश रच रही है । जरूरत है आज संघर्ष कर इस देश की सत्ता से भाजपा को उखाड़ फेंकने की । बलिया लोकसभा के पुर्व प्रत्याशी एवं पुर्व मंत्री सनातन पांडे ने कहा कि आज देश का संविधान और लोकतंत्र खतरे में है। संविधान और लोकतंत्र जिंदा रहेगा तभी मिलेंगे सबको अपने हक और

अधिकार। उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा बनायी जा रही मजहबी आबोहवा से बचने की जरूरत बताया। नवनामित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए विधायक डॉ विरेन्द्र यादव ने इस अवसर पर भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों की खिंचाई करते हुए कहा कि आज देश साम्प्रदायिक , तानाशाह और फिरकापरस्त ताकतों के चंगुल में फंस गया है,देश को उनके चंगुल से निकालने की जिम्मेदारी नौजवानों पर हैं ।देश का नौजवान मोदी और योगी सरकार की नौजवान विरोधी नीतियों के चलते हताश और उदास है । नवनामित प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य राजकुमार पांडे ने अपने मनोनयन और स्वागत के लिए नेताओ और कार्यकताओं के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि भाजपा सरकार के पास देश और प्रदेश के नौजवानों की खुशहाली के लिए कोई योजना नहीं है । उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने नौजवानों को धोखा दिया है ।उनकी जिंदगी में अंधेरा फैलाने का काम किया है । युवाओं से नौकरी देने का झूठा वादा कर उन्हें ठगने का काम किया गया । भाजपा सरकार नौकरी देने के बजाय नौकरियां छिनने का काम कर रही है । उन्होंने कहा कि यह भाजपा सरकार किसी की नहीं है । यह सरकार ने अगड़े की है न पिछड़े की है, न हिन्दू की है न मुसलमान की है । यह सरकार केवल पूंजीपतियों की है जो राष्ट्र की सम्पत्तियों को कौड़ी के दाम बेचकर उनकी और अपनी तिजोरी भरने में व्यस्त हैं । आज देश की जनता लगातार बढ़ती मंहगाई और भ्रष्टाचार से त्रस्त है , गरीबों के चुल्हे की आंच धीमी पड़ गयी हैं मगर यह सरकार केवल पूंजीपतियों की खिदमत में व्यस्त हैं । नवनामित शिक्षक सभा के राष्ट्रीय सचिव भरत यादव ने भी अपने स्वागत और मनोनयन के लिए आभार प्रकट किया। इस स्वागत समारोह में मुख्य रूप से रविन्द्र प्रताप यादव, सदानंद यादव, मार्कंडेय यादव, आत्मा यादव, बलिराम यादव, विभा पाल,अमित ठाकुर, कंचन रावत, बांबी चौधरी, वंशराज यादव यादव, शिव प्रसाद यादव, अलगू यादव, राजेश यादव, हरिद्वार यादव, मार्कंडेय यादव, डॉ विनोद यादव, रीना यादव, पंकज यादव, आदि शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गोपाल यादव और संचालन जिला उपाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने किया।

किसानों को जैविक खेती के लिए बांटे गये निःशुल्क कृषि निवेश

प्रखर दानगंज चोलापुर/ वाराणसी। नमामि गंगे योजनान्तर्गत गठित जैविक क्लस्टरों में शामिल किसानों को रविवार को जैविक खेती हेतु निःशुल्क कृषि निवेशों का वितरण किया गया।

कृषि विभाग एवं इश एग्रीटेक के संयुक्त तत्वावधान में उप कृषि निदेशक अखिलेश कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में चोलापुर विकास खण्ड के बबियांव व परानापट्टी के किसानों को कृषि निवेशों का वितरण हुआ।बीटीएम देवमणि त्रिपाठी ने बताया कि परानापट्टी गांव के जैविक समिति में शामिल 21 किसानों को 39 एकड़ के लिए एवं बबियांव गांव में 16 किसानों को 40 एकड़ क्षेत्रफल के लिए कृषि निवेश बांटे गये। कृषि निवेशों में जैविक खाद, जैविक कीटनाशक, डीकम्पोजर, हरी खाद हेतु मूंग का बीज,नीम की खली आदि का वितरण किया गया। इस दौरान नमामि गंगे योजना के प्रोजेक्ट हेड स्वामी शरण कुशवाहा, त्रिभुवन नारायन सिंह, सुशीला देवी, सौरभ रघुवंशी, अभिमन्यु मौर्या, श्यामजी मौर्या आदि किसान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

जेसीआई चेतना ने ओरिएंटेशन ट्रेनिंग का जौनपुर में किया आयोजन

प्रखर जौनपुर। नगर के एक होटल में प्रशिक्षक प्रोविजनल ट्रेनर एचजीएफ गौरव सेठ के नेतृत्व में एक ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। संस्थाध्यक्ष मीरा अग्रहरि ने ट्रेनर का स्वागत करते हुए कहा कि ट्रेनिंग से संस्था के सभी पदाधिकारी तथा संस्था के सभी सदस्यों को जेसीआई के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त होगी । आये हुए जोन ट्रेनर गौरव सेठ ने संस्था के सदस्यों को जेसीआई से संबंधित जानकारी देते हुए संस्था के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया,इस ट्रेनिंग में जेडवीपी जेएफडी शिवम सिंह, संस्था की पूर्व अध्यक्ष नीतू गुप्ता,चारू शर्मा, मधु गुप्ता ,रीता कश्यप व सचिव वंशिका सिंह ,कोषाध्यक्ष मीना गुप्ता,कार्यक्रम संयोजक रिंकी जायसवाल ,डा०आकांक्षा द्विवेदी,संगीता सेठ ,शारदा गुप्ता, ममता गुप्ता,अंजु जयसवाल सहित ममता कश्यप,संचिता बैकर, अफ्शा नाज आदि उपस्थिति रहीं।कार्यक्रम का संचालन सचिव वंशिका सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक रिंकी जायसवाल ने किया।

30 जनवरी को निकलेगी कांग्रेस पार्टी की सामाजिक न्याय यात्रा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश के क्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कल दिनांक 30 जनवरी 2024 को देश के लोकप्रिय कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी जी द्वारा निकाली जा रही सामाजिक न्याय यात्रा के समर्थन में स्थानीय आमघाट कालोनी, गांधी पार्क से दिन में 12:00 बजे से न्याय यात्रा निकलेगी। ये जानकारी जिलाध्यक्ष सुनील राम ने देते हुए बताया है कि इस यात्रा को सफल बनाने के लिए समस्त सम्मानित नागरिक एवं सम्मानित कांग्रेस जन से विनम्र निवेदन किया गया है कि उक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर न्याय यात्रा को सफल बनाएं।

पुलिस की प्रभावी पैरवी से अभियुक्त को न्यायालय द्वारा मिली सजा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को मॉनिटरिंग सेल व अभियोजन के प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप थाना कोतवाली पर पंजीकृत मु0अ0सं0 1856/17 धारा 323, 504 भादवि व 3(1) द, ध एससी/ एसटी एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में 01 नफर अभियुक्त इबरत पुत्र अरशद निवासी अंधऊ थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर के विरुद्ध लगातार किये गये प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप अभियुक्त उपरोक्त को धारा 323, 504 भादवि में 01-01 वर्ष का साधारण कारावास व 1000-1000 रुपये का अर्थदण्ड व धारा 3(1) द, 3(1) ध एससी/एसटी एक्ट में 03-03 वर्ष का साधारण कारावास व 3000-3000 रुपये का अर्थदण्ड, अर्थदण्ड अदा न करने पर 03 माह का अतिरिक्त कारावास से दण्डित किया गया ।

गायत्री ट्रस्ट ने मेधावी छात्र छात्राओं एवं गुरुजनों का किया सम्मान

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। पं०मदन मोहन मालवीय इ०का०सिखड़ी में पिछले महीने संपन्न हुई ज्ञान परीक्षा में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को श्री वेद माता गायत्री ट्रस्ट शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में भारतीय संस्कृति ज्ञान प्रसार पर आधारित शिक्षक गरिमा शिविर का आयोजन कर प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके पूर्व गायत्री मंत्र उच्चारण एवं शिक्षक गणों का गायत्री ट्रस्ट द्वारा दुपट्टा और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अपना विचार व्यक्त करते हुए परीक्षा संचालक एवं जिला सचिव शैलेश कुमार पाठक ने कहा कि गायत्री ट्रस्ट के द्वारा मानव समाज में तेज गति से संस्कारों में आ रही गिरावट को रोकने तथा समाज में आदर्श संस्कार के स्थापना हेतु जन जागरण अभियान चलाकर निरंतर गति दी जा रही है। इस मौके पर परिव्राजक हरिश्चंद्र चौहान एवं जिला समन्वयक मदन शर्मा के अलावा विद्यालय के सभी शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन ओम प्रकाश पांडेय ने किया।

अज्ञात वाहन के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत

प्रखर दुल्लहपुर (गाजीपुर)। क्षेत्र के तिरछी गांव के पास रविवार की रात अज्ञात वाहन के धक्के से बाइक से घर लौट रहे जखनिया निवासी युवक मनोज विश्वकर्मा 30 की मौत हो गई। दूसरे दिन सुबह सात बजे रास्ते से गुजर रहे नसीरपुर निवासी अशोक यादव ने सड़क किनारे गिरे दो पहिया वाहन तथा युवक को देखकर घटना की सूचना दुल्लहपुर थाने दी मृतक का हेलमेट भी शव से कुछ दूरी पर था। बाइक का हेडलाइट टूटा हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को थाने ले आई। युवक की पहचान भुड़कुड़ा कोतवाली के जखनियां परसुपुर गांव निवासी मनोज पुत्र रामधारी विश्वकर्मा के रुप में हुई। घटना की सूचना पाकर स्वजन में कोहराम मच गया स्वजन रोते बिलखते दुल्लहपुर थाना पर पहुंचे। मृतक के बड़े भाई सुभाष विश्वकर्मा ने बताया कि मनोज रविवार की सुबह 10 बजे घर से दुल्लहपुर जलालाबाद स्थित एक मित्र से मिलने के लिए निकले थे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं